TITLE CODE : UPMUL00792

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

लोक पहल

शाहजहाँपुर, मंगलवार 21 मार्च 2023 | शाहजहाँपुर से प्रकाशित | वर्ष :2, अंक :05 पृष्ठ :8, मूल्य 2 रुपये

संक्षेप

महाराष्ट्र में गौ सेवा आयोग के गठन को कैबिनेट से मिली मंजूरी

नई दिल्ली एजेंसी। महाराष्ट्र कैबिनेट ने 'महाराष्ट्र गौ सेवा आयोग' के गठन को मंजूरी दे दी है। कैबिनेट की बैठक में इसपर फैसला लिया गया। आयोग का पूरा फोकस गोमांस (बीफ) पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने पर होगा। 2015 में इसको लेकर कानून भी बन चुका है। अब उस कानून का सख्ती से पालन कराने का काम भी यही आयोग करेगी। पशुपालन विभाग के एक अधिकारी ने कहा, 'महाराष्ट्र गौ सेवा आयोग' पशुधन के पालन की निगरानी करेगा और यह आकलन करेगा कि उनमें से कौन अनुत्पादक है और दूध देने, प्रजनन करने और कृषि कार्य करने आदि के लिए अनुपयुक्त है। मंत्रिमंडल ने आयोग की स्थापना के लिए 10 करोड़ रुपये की धनराशि को भी मंजूरी दी है।

2 विमानों में छापेमारी, 1.15 करोड़ रुपये की 28 सोने की छड़ें जब्त

नई दिल्ली एजेंसी। दिल्ली में इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाईअड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने इंडिगो की दो उड़ानों में छापेमारी के बाद 1.15 करोड़ रुपये मूल्य की 28 सोने की छड़ें बरामद की हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सीमा शुल्क के एक अधिकारी ने कहा कि उनके द्वारा प्राप्त खुफिया सूचनाओं के आधार पर शनिवार को कार्रवाई शुरू की गई। अधिकारी ने कहा, एक विमान को बैंकॉक से कोलकाता से दिल्ली से पटना से दिल्ली और दूसरे से सिंगापुर से हैदराबाद से दिल्ली के लिए भेजा गया था। तलाशी के दौरान 28 सोने की छड़ें (प्रत्येक उड़ान से 14) बरामद की गईं, जिनका वजन 2,493 ग्राम था। बरामद सोने की छड़ों को सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 110 के तहत जब्त कर लिया गया है।

वाराणसी में बनेगा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम

लखनऊ। कानपुर–लखनऊ के बाद अब उत्तर प्रदेश को तीसरा अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम वाराणसी में मिलने जा रहा है। इसके लिए जमीन की व्यवस्था हो गई है, उम्मीद है कि इसी साल मई जून माह के अंत तक स्टेडियम का काम शुरू हो जाएगा। उत्तर प्रदेश सरकार ने राजातालाब तहसील के गंजारी गांव में में 31 एकड़ जमीन खरीद ली है। उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) और भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) ने वाराणसी में अंतरराष्ट्रीय स्तर का क्रिकेट स्टेडियम बनाने के लिए यह जमीन इस माह के अंत तक सौंप दी जाएगी। स्टेडियम की तैयारियों का जायजा लेने इसी सप्ताह की शुरुआत में बीसीसीआई के सचिव जय शाह और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने वाराणसी का दौरा भी किया था। यूपीसीए के निदेशक युध्दवीर सिंह ने बताया कि वाराणसी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम बनाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने करीब 31 एकड़ जमीन राजातालाब तहसील के गंजारी गांव में चिह्नित की हैं।

अन्नदाता के अरमानों पर फिरा 'पानी'

ओलावृष्टि व बरसात से फसलों को भारी नुकसान

लोक पहल

नई दिल्ली/लखनऊ। पिछले कुछ दिनों से हो रही बारिश किसानों के लिए आफत बनकर बरस रही है। खासतौर पर उत्तर भारत के ज्यादातर राज्यों में तेज हवा, बारिश और ओलावृष्टि के चलते लाखों एकड़ फसल का नुकसान हुआ है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और पंजाब में अभी भी मौसम अपना कहर बरपा रहा है। केंद्र सरकार ने भी आधिकारिक पुष्टि कर दी है कि कई राज्यों में इस बारिश ने किसानों की मुसीबतें बढ़ा दी हैं। हालांकि अभी तक नुकसान का वास्तविक आकलन नहीं हो पाया है। कृषि मंत्रालय का कहना है कि राज्य सरकारें नुकसान की रिपोर्ट तैयार करके केंद्र सरकार को भेज देंगी। उसी तर्ज पर सरकार अपने राष्ट्रीय आपदा राहत कोष में से किसानों को नुकसान का मुआवजा प्रदान करेगी।

कृषि विशेषज्ञों की मानें तो तेज बारिश, आंधी और ओलावृष्टि जैसे हालातों से गेहूं की अगेती और पछेती दोनों ही फसलों में भारी नुकसान की संभावना है। राज्यों में लगातार चल रही बेमौसम बारिश के कारण गेहूं की फसल को नुकसान हो ही रहा है, लेकिन इससे भी ज्यादा नुकसान सरसों और चना की फसल व केला, आम और आलू जैसी फसलें नुकसान में जा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूपी के कई जिलों में गेहूं, सरसों, चना और अरहर की फसल में 40 प्रतिशत नुकसान का आकलन किया हया है। उत्तर प्रदेश में बारिश और ओलावृष्टि से हुये फसल के नुकसान को लेकर मुख्य सचिव ने लोकभवन में बैठक की। इस दौरान उन्होंने प्रभावित जिलों के अफसरों को निगरानी और राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ उत्तर प्रदेश सरकार खड़ी है। उत्तर प्रदेश सरकार किसानों को बारिश और ओलावृष्टि से नुकसान की भरपाई के लिए हर संभव मदद के लिए तैयार है। इसके लिए अधिकारी अपने प्रभावित जिलों का दौरा करें। फसल के नुकसान का आकलन करके शासन को रिपोर्ट सौंपे जिससे किसानों को तुरंत राहत पहुंचाया जा सके। बता दें कि बीते दिनों प्रदेश में बेमौसम बारिश से गेहूं, चना, मटर, मूंग, मसूर की फसलों को काफी नुकसान हुआ है।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि बारिश और ओलावृष्टि से बर्बाद हुई किसानों की फसल को राज्य सरकार मुआवजा देगी। उन्होंने राज्य में तूफान और भारी बारिश के कारण दस किसानों की मौत पर दुख व्यक्त किया और कहा कि मृतक किसानों के परिजनों को चार–चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। सभी जिलाधिकारियों को इस दिशा में जरूरी दिशा निर्देश दिये गये हैं। कृषि विशेषज्ञों ने बेमौसम बारिश से किसानों की करीब 15 फीसदी फसल खराब होने का अनुमान जताया है।

योगी सरकार का फरमानः नवरात्रि पर हर जिले में होगा अखंड रामायण और पाठ

■ उत्तर प्रदेश सरकार देगी एक लाख रूपया

लोक पहल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने चौत्र नवरात्रि और रामनवमी के लिए खास तैयारियां की हैं। इस मौके पर नौ दिनों तक देवी दुर्गा मंदिरों और शक्तिपीठों में भव्य धार्मिक और सांस्कृतिक कार्ययक्रम आयोजित किए करने के निर्देश दिए गए हैं।

अधिकारियों को 21 मार्च तक सभी तैयारियां पूरी करने को कहा गया है। इसके साथ ही जीपीएस स्थान, पते, चयनित मंदिरों की तस्वीरें और मंदिर प्रबंधन निकायों के संपर्क विवरण साझा करने का भी निर्देश दिया गया है। प्रशासन की विभिन्न शाखाओं के बीच समन्वय के लिए राज्य स्तर पर दो नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

चौत्र नवरात्रि के दौरान दुर्गा के नौ अवतारों की पूजा की जाती है। निर्देश में मंदिरों और शक्तिपीठों पर दुर्गा सप्तशती का पाठ, देवी गान और देवी जागरण का आयोजन करने को भी कहा गया है। सरकार इन कार्यक्रमों में महिलाओं और लड़कियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाएगी। कार्यक्रमों से संबंधित और फोटोग्राफ संस्कृति विभाग की वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे।

29 और 30 मार्च को अष्टमी और रामनवमी को प्रमुख शक्तिपीठों पर अखंड रामायण का पाठ आयोजित किया जाएगा। इन आयोजनों के लिए प्रत्येक विकासखण्ड, तहसील एवं जिला स्तर पर आयोजन समिति का गठन किया जाएगा। हर जिले में जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में एक समिति उन कलाकारों का चयन करेगी जो धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रस्तुति देंगे। प्रस्तुति देने के लिए चुने गए कलाकारों को मानदेय देने के लिए संस्कृति विभाग हर जिले को 1 लाख रुपये आवंटित करेगा। अन्य व्यवस्थाएं जिला प्रशासन अपने स्तर से करेगा।

विभाग के प्रधान सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने कहा कि नौ दिनों के उत्सव के दौरान मंदिर परिसर में की जाने वाली व्यवस्थाओं के संबंध में जिला प्रशासन को मंदिर समितियों के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया गया है।

सौगातः मंत्री सुरेश खन्ना व जितिन प्रसाद ने किया खन्नौत पुल का शिलान्यास

लोक पहल

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना व लोक निर्माण विभाग मंत्री जितिन प्रसाद ने लोधीपुर स्थित खन्नौत नदी पर नए पुल व कैन्ट बाईपास रोड के चौड़ीकरण का शिलान्यास शिलापट का अनावरण कर किया।

इस मौके पर मंत्री द्वय ने हवन पूजन कर निर्विघ्न निर्माण की कामना की। नए पुल के निर्माण में 11214.22 लाख की लागत आयेगी। 106.84 मीटर लम्बे पुल को उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम द्वारा बनाया जाएगा। इस पुल के बन जाने से लोगों को लोधीपुर पुल पर जाम से राहत मिलेगी।

इसके साथ ही साथ राज्य सड़क योजना के अन्तर्गत कैन्ट बाईपास सम्पर्क मार्ग के चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण से गोला, मोहम्मदी लखीमपुर आने जाने की दूरी 12 किमी. कम हो जाएगी तथा ग्राम पंचायत मऊ खालसा, मऊ बासक, तियुलक, बिलरिया, बसूलिया व हथौडीया आदि लगभग 8 गावों की लगभग 45000 जनता शहर की मुख्य धारा से जुड़ जायेगी तथा छावनी परिषद में ओसीएफ फैक्ट्री के भारी वाहन/सैन्य वाहन एवं शहरी क्षेत्र के वाहनों का आवागमन लखनऊ, लखीमपुर खीरी जनपदों के लिए सुगम हो जाएगा।

इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष केसी मिश्र, एमएलसी सुधीर गुप्ता, सांसद मिथिलेश कुमार, कोऑपरेटिव बैंक अध्यक्ष डीपीएस राठौर, विधायक मानवेन्द्र सिंह, सफाई आयोग अध्यक्ष सुरेन्द्र नाथ, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह, महानगर अध्यक्ष अरुण गुप्ता, महामंत्री नवनीत पाठक, सीडीओ एसबी सिंह, नगर आयुक्त सन्तोष कुमार शर्मा, सहायक नगर आयुक्त एसके सिंह, पूर्व विधायक शकुंतला देवी, कौशल मिश्र, विनीत मिश्र, श्याम मोहन अग्निहोत्री समेत अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। संचालन डा. इंदु अजनबी ने किया।

आरम्भ में मुख्य अभियंता लोनिवि बरेली एसके तिवारी, अधीक्षण अभियंता बरेली/शाहजहांपुर वृत्त लोनिवि अभिनेष कुमार, महाप्रबंधक उप्र सेतु निगम बरेली रविदत्त कुमार, अधिशाषी अभियन्ता निर्माण खण्ड लोनिवि शाहजहांपुर महेन्द्र कुमार पाल, अधिशासी अभियंता रथिन सिन्हा व उप परियोजना प्रबंधक सेतु निर्माण इकाई विजयेंद्र कुमार ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया।

आईआईए 25 मार्च को आयोजित करेगा बिजनेस कान्क्लेव 2023: अशोक अग्रवाल

21 देशों के राजदूत एवं राजनाइक एमएसएमई बिजनेस कान्क्लेव में लेगे हिस्सा

लोक पहल

शाहजहाँपुर। आईआईए 25 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई बिजनेस कान्क्लेव का आयोजन करने जा रहा है। भारत में पहली बार किसी व्यवसायिक संगठन के द्वारा एक ऐसा बिजनेस कान्क्लेव आयोजित किया जा रहा है जिसमें 21 देशों के राजदूत एवं राजनायिक भाग ले रहे हैं आईआईए के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने यहां आयोजित एक प्रेसवार्ता में यह जानकारी देते हुए बताया कि सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने तथा भारत की 5 ट्रिलियन डॉलर तक अर्थव्यवस्था पहुंचाने में यह कॉन्क्लेव सहयोग करेगा। आईआईए के द्वारा एमएसएमई बिजनेस कान्क्लेव आयोजित किया जा रहा है जिसका मुख्य उद्देश्य एमएसएमई उत्पादों के लिए निर्यात की संभावनाएं तलाशना एक दूसरे की तकनीकी को समझना तथा निवेश को बढाना है। उन्होंने बताया कि इस कान्क्लेव में 250 डेलीगेट देश–विदेश से भाग ले रहे हैं इस मौके पर एमएसएमई के कुछ उत्कृष्ट उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई जा रही है सभी देशों के राजनायिक कान्क्लेव में आयात

निर्यातनिर्यात, निवेश तथा टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की संभावनाओं पर विचार विमर्श करेंगे। श्री अग्रवाल ने कहा कि भारत सरकार की 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और उत्तर प्रदेश सरकार की 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था को साकार करने के लिए यह कान्क्लेव अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई बिजनेस कान्क्लेव 2023 का आयोजन लखनऊ के पांच सितारा होटल में किया जा रहा है जिसका उद्घाटन प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। कान्क्लेव में वियतनाम मंगोलिया जिंबाब्वे त्रिनिडाड, केन्या, सोमालिया, मालदीव किर्गिस्तान इथोपिया घाना फिजी नेपाल सूडान ऑस्ट्रिया कांगो नाइजीरिया आदि देशों के राजनायिक व राजदूत शामिल होंगे। इस बिजनेस कांक्लेव में भारत सरकार के वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे उत्तर प्रदेश के कृषि एवं उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह उत्तर प्रदेश एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद भी भाग लेंगे।

रूप, विद्या, धन और अधिकार नशे के समान: डा. दामोदर दीक्षित

चित्रा टाकीज में चल रही श्रीमद्भागवत कथा का समापन
भंडारे में कैबिनट मंत्री सुरेश खन्ना ने भंडारे में भक्तों को परोसा भोजन

लोक पहल

शाहजहाँपुर। रूप, विद्या, धन, अधिकार ये चार नशे हैं। संसार के लोग इनमे फंसकर जीवन के लक्ष्य को विस्तृत कर इनमे फंस जाते हैं। एक द्वारिका में कुछ संत पधारे तो श्रीकृष्ण के पुत्र ने कुछ साथियों को लेकर गया। एक साथी नारी का वेश बनाकर ले गाये तो पूछा संतो बताओ इस महिला को पुत्र होगा या पुत्री संतो ने कहा इसको पुत्र , पुत्री कुछ नहीं होगा। अपितु कुल नाशक मुसल का जन्मदिन होगा। राग, रोश, ईर्ष्या, मद और मोह वह पांच शत्रु हैं। इनसे बचाकर रहना अन्यथा जीवन कष्ट आने में विलम्ब नहीं लगेगा। डा. दामोदर दीक्षित जी जिन लोगों को पुरी कथा नहीं सुना पाये उनके कल्याण के 12 सकंध की सारांस रूप का वर्णन किया। श्रीमाद भागवत में सम्पूर्ण कथा को संछेप में कहने का विधान है। लगभग सभी ग्रंथो के अंत में ऐसी व्यवस्था की गई। नागरूप, रूप, लीला, धाम में किसी को भी रूप अपनाकर अपने को धन्य कर सकते हैं। कल्पिक सुख के आभाव का नाम दुःख है। पटना विहार से पधारे परम पूज्य स्वामी सत्यानंद जी ने उपदेश किया। साथ ही आचार्य भगवतानंद जी के जीवन पर विस्तृत प्रकाश डाला। तथा उनके बताये उपदेशों का अनुसरण पालन करने की सीख दी। रामदुलारे त्रिगुनायत, शिवकुमार सुमन आदि ने भी प्रवचन किता। संचालक आचार्य रामानंद दीक्षित ने रामनाथ महिमा पर प्रकाश डाला। फरीदपुर से पधारे ब्रजेश पाठक जी ने हनुमान चालीसा के माध्यम से दशत्व की महिमा का वर्णन किया। अंत ने

रायबरेली से पधारे स्वामी ज्योतिर्मयानंद जी महाराज ने ब्राह्मजीव के सम्बन्धा की व्याख्या करते हुए भगवान की आहेतुकि कृपा प्राप्त करने का संदेश किया। प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने संतों एवं विद्वानो का स्वागत एवं अभिनन्दन किया और अपना उद्बोधन दिया। कमलेश खन्ना, सरला खन्ना, चंद्र शेखर खन्ना (धीरू खन्ना), रागिनी खन्ना, ओम खन्ना, डा. राम मेहरोत्रा, सोमनाथ कपूर एवं सरिता कपूर, ध्रुवनारायन मेहरा, सुधा मेहरा , मुंबई से आये पुरुषोत्तम केजरी, पत्नी ज्योति केजरी राजीव एवं राघव आदि का सहयोग रहा। कथा एवं सम्मेलन के पश्चात विराट भंडारे का आयोजन किया जिसमे मंत्री सुरेश खन्ना ने स्वयं भोजन परोसकर संतो विद्वानो का आशीर्वाद प्राप्त किया।

केवल चाटुकारिता के मैं गीत नहीं लिख पाता हूं

प्रवाह साहित्य संस्थान की काव्य गोष्ठी का आयोजन

लोक पहल

शाहजहांपुर। प्रवाह साहित्य संस्थान की काव्य गोष्ठी का आयोजन कवि डॉ प्रशांत अग्निहोत्री के संयोजन में उनके निवास पर किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए **वरिष्ठ कवि चंद्रशेखर दीक्षित 'चन्द्र'** ने कविता सुनाई– शब्दों की माला संजो संजो, मैं हार बना अरमानों का। मन व्यथा बेसुरे गीत बनाये, किंतु नहीं दूकानों का।

वरिष्ठ गीतकार विजय ठाकुर ने गजल पढ़ी–मेरे मन के दुख–मंदिर में अनगिन गुंबद आले हैं, शायद इनसे मन बहलेगा, बहुत कबूतर पाले हैं।

गीतकार कमल मानव ने मुक्तक सुनाये–राजकुँअरों की व्यथा, वनवास हो जाने के दिन। भूलिए सम्राट के भी दास हो जाने के दिन। भित्तियों पर पुष्पवर्षा मन्द मुस्कानें लिखीं, और फिर मधुमास के इतिहास हो जाने के दिन।

कवि सुशील दीक्षित विचित्र ने सुनाया – कौन कहता है कमाल होना है, वही बेहूदा सवाल होना है। आरियों गर्दनों में यारी क्या? गर्दनों को हलाल होना है।

कवि ज्ञानेंद्र मोहन ज्ञान ने गीत गुनगुनाया– सत्य के प्रतिमान,सूली पर टंगे हैं और जो भी है समर्थक, हैं खड़े असहाय सारे।

नवगीतकार डॉ प्रशांत अग्निहोत्री ने गीत सुनाये– सुधियों का चंदन वन, सुरभित, सौरभ चेतन। तुम चुपके से आये, बज उठी अलंकृत धुन।

वरिष्ठ कवि कुलदीप दीपक ने मुक्तक

सुनाया–रंग तो खेलिये, यह खेलने के होते हैं। हर एक पल यहाँ तो,गीत गजल होते हैं। प्यार से कोई गले अब यहां नहीं मिलता, तभी त्यौहार पर हर साल कत्ल होते हैं।

कवि सरोज मिश्र ने गीत सुनाया– नया तुम्हारे उजला सूरज, गांव हमारे घना कुहासा। रूठी नींदें, पीड़ित सपने, खंड–खंड जीवन परिभाषा

व्यंग्यकार उमेश सिंह ने मुक्तक सुनाये–मन में उमंग हो तो होली है। दिल में तरंग हो तो होली है। बसंत करे स्वागत और ठंड अलविदा, मदमस्त अंग अंग हो तो होली है।

कवि डॉ राजीव सिंह ने मुक्तक सुनाये–उजले महलों में अंधेरे पल रहे हैं। मुफलिसी के आशियाने जल रहे हैं। है रोशन उनके घर का कोना कोना, मेरे अंतस्तल के सूरज ढल रहे हैं।

युवा कवि लालित्य पल्लव ने सुनाया–क्रास बना बिजली बक्से पर, लिक्खा मिलता डर। किन्तु आज मैं जिधर देखता, खड़ा सामने डर। त्यौहारों के भाईचारे में, है यूं आग लगी, महल और झोपड़ियां कॉपें, है लपटों का डर।

कवि चंद्र मोहन पाठक ने ओज की कविता सुनाकर प्रशंसा बटोरी –लिखना चाहूं कुछ और मगर मैं अंगारे लिख जाता हूं। केवल चाटुकारिता के, मैं गीत नहीं लिख पाता हूं।

इससे पूर्व सभी कवियों ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि और दीप प्रज्ज्वलन के साथ गोष्ठी का प्रारंभ किया। गोष्ठी में प्रमुख रूप से सचिव त्रिवेदी, अग्निज उपमन्यु, शुभ त्रिवेदी, वैष्णवी अग्निहोत्री और पूर्वी अग्निहोत्री आदि उपस्थिति रहे। गोष्ठी का संचालन डॉ प्रशांत अग्निहोत्री ने और आभार राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक संतोष शरण अग्निहोत्री ने व्यक्त किया।

जर्जर पुलिस चौकियों के स्थान पर होगा सामुदायिक केंद्र का निर्माण

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने किया शिलान्यास

लोक पहल

शाहजहाँपुर। महानगर क्षेत्र के सराय काइयां एवं फत्तेपुर रेती में जर्जर हो चुकी पुलिस चौकी के स्थान पर सामुदायिक केंद्र का निर्माण कराया जाएगा। नगर निगम के तत्वावधान में निर्मित कराये जाने वाले सामुदायिक केंद्र का वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने शिलान्यास किया। इस अवसर पर श्री खन्ना ने बताया कि नगरवासियों की सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर नगर निगम द्वारा विकास कार्य कराए जा रहे है, जिसके क्रम नगर क्षेत्र के सराय काइयां एवं फत्तेपुर रेती के क्षेत्र वासियों की सुविधा हेतु इन सामुदायिक केंद्रों का निर्माण नगर निगम द्वारा कराया जाना है। नगर आयुक्त सन्तोष कुमार शर्मा ने बताया कि शासन की स्वीकृति उपरांत नगर क्षेत्र के सराय काइयां व फत्तेपुर जर्जर पुलिस चौकी के स्थान पर लगभग एक करोड़ की लागत से जर्जर

पुलिस चौकी के स्थान पर लगभग एक– एक करोड़ की लागत से सामुदायिक केंद्र का निर्माण कराया जाना स्वीकृत है। निर्माण कार्य हेतु समस्त आवश्यक औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए शीघ्र ही निर्माण कार्य आरम्भ कराया जाएगा। इस अवसर पर अपर नगर आयुक्त एस.के. सिंह एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारी तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सुषमा स्वराज अवार्ड से नगर की महिलाओं को किया सम्मानित

लोक पहल

शाहजहांपुर। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय रेती रोड स्थिति सुषमा स्वराज अवार्ड कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे नगर की महिलाओं को उनके भिन्न भिन्न क्षेत्रों मे उत्कृष्ट कार्यों को लेकर सम्मानित किया। कार्यक्रम मुख्य अतिथि अपर्णा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य चंद्रेश गुप्ता क्षेत्रीय महामंत्री ब्रज क्षेत्र ने भारत माता व अन्य महापुरूषों के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलित कार्यक्रम का शुभारंभ किया। महानगर अध्यक्ष वर्षा अवस्थी व जिलाध्यक्ष शिल्पी गुप्ता की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अपर्णा ने विभिन्न क्षेत्रों मे उत्कृष्ट कार्य करने वाली डा नमिता सिहं, डा पूजा पाण्डे त्रिपाठी, डा दीपा दीक्षित, पत्रकार शिशान्त शुक्ला, अंजू राजरानी, रसोई किंग नीरा गुप्ता, अर्चना कटियार, निखर परवीन, देवेंद्र कौर गुप्ता विनीता, सुमित शुक्ला, काजल यादव, श्रुति गुप्ता, दीपमाला रस्तोगी योग्यता मिश्रा, मधु अग्रवाल, अंजू अग्निहोत्री को फूलमाला पगड़ी प्रतीक चिन्ह व प्रमाणपत्र देकर तथा पटका पहनाकर उनको सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में महामंत्री नीलम गुप्ता उपाध्यक्ष, माधुरी सक्सेना, महानगर सोशल मीडिया प्रभारी सरोज गुप्ता एकल्पना श्रीवास्तव, मंजुला बाथम, रजनी भानू सिहं, लता तिवारी, मीनाक्षी अग्निवेश, ज्योति गुप्ता, मीना सक्सेना, पिंकी रस्तोगी, क्षमा वर्मा, अरुण गुप्ता, महेंद्र वर्मा का सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री हेमा अग्रवाल ने किया।

गधों से कष्ट निवारण हेतु 'गधा सम्मेलन'

रेखा शाह आरबी
बलिया यूपी

हास्य व्यंग

गधों का विश्वव्यापी सम्मेलन था, हर जगह से गधे आऐ थे, आखिर विश्व एक कुटुंब ही तो है ...तो ना किसी ने सीमा देखी, ना सरहद देखा हर ओर से गधे चले आए थे। यह देखने कि आखिर सम्मेलन किस लिए बुलाया गया है! वह बेचारे सीधे–साधे गधे थे ..पर इतने गधे भी नहीं थे कि उन्हें अपने फायदे की बात समझ में ना आए ।

आजकल मूर्ख से मूर्ख प्राणी को भी अपना फायदा समझ में आ ही जाता है .. वह सबके काम करने वाले, सब के कपड़े धोने वाले, सब के बोझा ढोने वाले, यहां तक कि कुछ देशों की अर्थव्यवस्था चलाने वाले श्गधे श्तक आए थे.. और उन गधों के पीछे– पीछे उनका जन्म जन्मांतर से शोषण करने वाले गधे भी आए थे। आए क्या थे मजबूरी में उन्हें आना पड़ा था.. उनकी जिज्ञासा आने में मात्र इतनी थी आखिर इन गधों को कौन सा भूत सवार हुआ.. अब गधों से गधा कौन जानवर होगा! जो बोझा भी ढोए और अपनी हड्डियां भी तुड़वाने का सब्र रखे और मालिक को दुल्लती भी न मारे.. और चुपचाप बेजुबान बनकर सारा काम करें... ।

खैर सम्मेलन शुरू हुआ और एक नेता टाइप गधा उठा और सब को संबोधित करते हुए बोलने लगा —'ढेचू ढेचू भाइयों और बहनों लोग कहते हैं गधे . ..गधे होते हैं .. लेकिन उन गधो को नहीं पता कि शराफत और भोलापन भी कोई चीज है जो हमारी विशेष क्वालिटी है .. पर यह बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद...हम गधों को इंसानों ने बहुत दुख दिया है सारे गधा पंथी वाले काम खुद इंसान करते हैं और गधे हमें कहते हैं। सारी धरती का सत्यानाश जल से लेकर जंगल– जमीन तक पर्वत –पहाड़ सबको अपनी लालच की भेंट चढ़ा चुके हैं। उनके लालच के कदम रुकते नहीं और रस्सी से बांधकर हमारे पैर रखते हैं। जबकि रस्सी से बांधने की जरूरत उनको है कि अपने लोभ और लालच को बांधना चाहिए लेकिन वह ऐसा न कभी किया है और ना ही करेंगे... आखिर हम कितना अत्याचार बर्दाश्त करें और क्यों करें?? उनके लाख अत्याचार और दुर्व्यवहार के बावजूद भी हम उनके सारे कार्य करते हैं यहां तक कि हमने कुछ देशों की अर्थव्यवस्था तक संभाल रखी है। यहां तक तो चुपचाप बर्दाश्त किया पर यह इल्जाम असहनीय है कि किसी इंसान को गलती करने पर उसे गधा की उपाधि दी जाए।

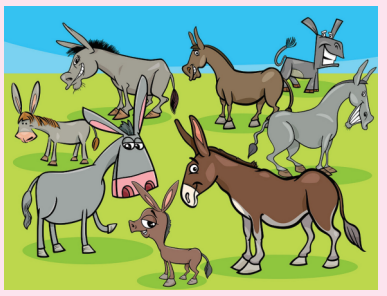

यह हम गधों का अपमान है और हम इसके खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराएंगे और अनिश्चितकालीन अनशन करेंगे जब तक इंसान अपनी गलतियों पर लिखित में माफी नामा नहीं जारी करता है ढेचू ढेचू ढेचू..'।

पीछे की कतार में खड़े गधे के मालिकों ने अपना माथा पकड़ लिया और उनमें से एक बोला —अरे इन गधों को किस गधे ने यह ज्ञान की घुट्टी पिलाई ...दूसरे ने जवाब दिया ..लगता है यह भी व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट बन चुके हैं।

इंसानी गधे लिखित में माफीनामा तैयार करने में जुट गए। यह तो इंसानों को भी एहसास है कि अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए गधों की जरूरत तो पड़ती ही है अतः लोकतंत्र में सत्ता बनाए रखने के लिए कभी कभी गधों को पुचकारना,सहलाने से जो परहेज करेगा.. उसे सफलता मिलना संदिग्ध है.. और जो समझदार है वह इन गधों को अपने कंधे पर बैठाने में थोड़ा भी हिचकता नहीं है.. क्योंकि उसे पता है अगर थोड़े समय मैंने इनको ढो लिया तो यह जिंदगी भर मुझे ढोएंगे।

उधर ऊपर बैठे भगवान यह तमाशा देख कर मुस्कुरा रहे थे..'शुक्र मनाओ इंसानों इन मासूमों ने तुमसे बस माफी नामा मांगा है.. अगर इन्होंने अपने अधिकार और सम्मान की बात कर डाली तब तुम क्या करोगे... तुम्हारे पाप तो इतने हैं कि गंगा भी कम पड़ जाएगी धोने के लिए... चलो शुक्र है सस्ते में तुम छूट गए।

संगिनी

नीना सिन्हा
पटना

डाभ बेचने वाला कितने ही दिनों से दिख नहीं रहा था। इंतजार में थी कि दूर सड़क पर ठेला आता दिखा तो वह हुलस कर नीचे उतर आई। एक महिला ठेला लिये चली आ रही थी। पूछा, "नारियल वाले भैया कहाँ हैं ? ठेला तो उन्हीं का दिखता है?" "मेरा आदमी नहीं रहा, मेमसाब। वह आपलोगों के बारे में बहुत कुछ बताता रहता था, तभी पहचाना। आप दीक्षित मैडम हैं न? कहता था कि कॉलोनी में एक चक्कर मार लो तो सारे नारियल बिक जाते हैं। बहुत ग्राहक हैं इधर।"

"पर हुआ क्या? भला–चंगा ही तो था।" "अनहोनी कहिए! कुछ ही दिनों पूर्व आये आँधी–तूफान तथा बारिश से बचने के लिए ठेला सड़क पर लगाकर एक पेड़ के नीचे खड़ा था, तभी हादसा हो गया।"

"कैसा हादसा?" "पेड़ की एक मोटी टहनी टूट कर उसपर आ गिरी और गर्दन टूट गई", गला रूँध गया उसका। "ओऽह! बहुत बुरा हुआ। इतनी तेज धूप में घूमना और दाब से काट कर नारियल पानी पिलाना स्त्रियों के लिए कुछ कठिन जान पड़ता है ! तुम्हारे बच्चे युवा होंगे, उन्हें क्यों नहीं कहती काम दे खाने के लिए?"

"बच्चे मेरे नहीं, मेरी सौतन के हैं,तभी छोटे हैं। बच्चे नहीं हुए तो उसकी दूसरी शादी कराई थी। सौतन भलीमानस है, हमारी निभ ही गई। जमा पूँजी मृत्यु भोज लग गई तो बच्चों की रोटी और स्कूल फीस के लिए घर से निकलना ही पड़ा। गरीबी मातम मनाने का वक्त ही कहाँ देती है, मेमसाब!" बतियाते हुए वह डाभ तराशकर बैग में डाल चुकी थी।

पैसे लेकर चलने को उद्यत हुई, तबतक कॉलोनी के कई चित परिचित ग्राहकों ने आकर उसे घेर लिया। दिलेर उदारमना महिला के जज्बे को मन ही मन सराहती वह घर में समा गई।

निजीकरण

जीवन लहूलुहान, कब आए बिहान
परेशानियों से घिरता, ईमानदारी न गिरता
अजब लोग जमाने में, मजा तकलीफ मनाने में
शोषित को तड़पाने में, बलि चढ़े हक पाने में
यहाँ समझता न कोई, जगता न किस्मत सोई
बस अपना काम बनता, तो भाड़ में जाए जनता
वेतन कम काम में रम, खून चूसकर करे बेदम
कर्मचारी का नहीं पोषण, निजीकरण में बस शोषण

सूर्यदीप कुशवाहा, वाराणसी

मुनिया की दुनिया

लघु कथा

मीरा जैन, उज्जैन

बारह मुनिया काम के बदले गेहूं चावल ही मांग कर ले जाती रीनाभी बड़ी खुश घर के छोटे मोटे काम स्कूल की छुट्टी के दिन अधिकांशतया रविवार को मुनिया मात्र थोड़े से अनाज की खातिर आसानी से खुशी खुशी निपटा जाती साथ ही रीना का पुराना पड़ा अनाज ठिकाने लग रहा था। वो अलग–मुनिया को देखते ही रीना बांछे खिल जाती हींग लगे ना फिटकरी रंग भी चोखा–ऊपर से रीना गाहे बगाहे अपना एहसान जताने से नहीं चुकती कभी रीना ने यह जानने की कोशिश नहीं की कि मुनिया को पेट भर खाना मिलता है या नहीं इस डर से भी नहीं पूछती कि कहीं उसका सवाल उस पर ही भारी ना पड़ जाये। सखियों के बीच बालिका मुनिया को खाद्य सामग्री प्रदान करने हेतु अपनी शेखी बघार स्वयं को समाज सेविका घोषित करती वो अलग पिछले रविवार मुनिया नहीं आई लेकिन इस रविवार भी

मुनिया गायब, रीना का पारा सांतवें आसमान पर, मुनिया के घर का पता ठिकाना भी नहीं था ढूँढे तो कहाँ ढूँढे बस केवल मोहल्ले का नाम ज्ञात था उसी आधार पर निकल पड़ी अपनी टू व्हीलर लेकर उसे खोजने। एक जगह मंदिर के करीब बने चबूतरे और पास ही के पेड़ पर लगी तख्ती देख वह ठिठक गई। जब उसे पढ़ा तो आँखें नम हो गई उस तख्ती पर लिखा था –'प्लीज अपनी इस मासूम बेटी की थोड़ी सी सहायता किजिये गर्मी का मौसम है मेरी परिक्षाएं चल रही है मै अभी काम पर जाने मे असमर्थ हूँ मुठ्ठी भर अन्न इस डिब्बे मे डाले और चुल्लू भर पानी इस कटोरे मे क्योंकि पर्यावरण व जीव दया हेतु मूक पक्षियों के भूख प्यास का ध्यान हमें ही रखना है मेरा खर्च माँ उठती है और इन पक्षियों का ...। आप सभी को मेरा प्रणाम! मुनिया 'रीना ने गाड़ी मे बैठे बैठे ही डिब्बे पर नजर डाली वह अनाज से लबालब भरा हुआ था और कटोरा पानी से।

पतझड़

पतझड़- सी जिन्दगी में

जीवन का कुछ अंश शेष था
कोई सम्मोहन कुछ न विशेष था
पुनर्जीवन का न कोई अवशेष था

स्मृतियों की गर्द पोंछ कर
क्यों आ गए तुम अकस्मात्
मेरी निराशाओं में पुनः
आशान्वित नवीन किरण बन कर..

मैंने तो मुस्कुराना छोड़ दिया था
स्वयं को चाहना भी छोड़ दिया था
खुशियों से भी मुँह मोड़ लिया था

अशक्त,अव्यक्त, निराधार जिन्दगी में
क्यों आ गए तुम अकस्मात्
जीवन की खिलखिलाहट बन कर..

तपते रेगिस्तान में काँटे उग आये थे
जलते मन–प्राणों ने कई युग लाये थे
मेरी व्याकुलता ने मुझे सदियों तपाये थे

तपती,तरसती,तड़पती,उखड़ती जिन्दगी
में क्यों आ गए तुम अकस्मात
सावन की उन्मादिनी बारिश बन कर..

डा शिप्रा मिश्रा

गजल

आपने कत्ल जब किया मेरा।
शौक मरने का भी दिखा मेरा।
मुझको इस बात की तसल्ली है,
आपने जिस्म भी छुआ मेरा।

बाद तेरे तमाम कोशिश की,
मुझसे छूटा न मैकदा मेरा।
झूठ बोला नहीं गया मुझसे,
सिर्फ इतना गुनाह था मेरा।

दौर देखा है मुफलिसी का भी,
तब कोई भी न था सगा मेरा।
शाइराना मिजाज रखता हूँ,
शाइरी से है वास्ता मेरा।

'ज्ञान' मुश्किल में वो नहीं फँसते,
मान लेते अगर कहा मेरा।

ज्ञानेन्द्र मोहन 'ज्ञान'

सम्पादकीय

हर समस्या का समाधान आत्महत्या नहीं

आजकल युवाओं में पढ़ाई, रोजगार और सामाजिक मांडताओं को लेकर लगातार दबाव बढ़ता जा रहा है। जिसके चलते उनमें एक कुंठा की भावना जन्म लेने लगती है। यही भावना युवाओं में तनाव, अवसाद और फिर आत्महत्या की ओर ले जाती है। इस बढ़ती प्रवृत्ति को लेकर लंबे समय से चिंता जताई जाती रही है। इसे रोकने के लिए अनेक उपाय सुझाए गए हैं। तनाव दूर करने के लिए लगातार जागरूकता पैदा करने की कोशिश की जाती है। जगह–जगह सहायता और सलाह केंद्र खोले गए हैं। इसके बावजूद इस समस्या पर काबू पाना चुनौती है। सबसे चिंताजनक स्थिति तो यह है कि जिन चिकित्सकों के माध्यम से अवसाद जैसी स्थितियों से पार पाने की उम्मीद की जाती है, वे खुद इस समस्या से ग्रस्त होकर खुदकुशी करते देखे जाते हैं।

ताजा आंकड़े के मुताबिक 2010 से 2020 के बीच साढ़े तीन सौ मेडिकल छात्रों, रेजिडेंट डाक्टरों और चिकित्सकों ने खुदकुशी कर ली। इसे लेकर इंडियन मेडिकल कांग्रेस ने चिंता जताई और चिकित्सकों और अस्पताल प्रबंधन से इस मामले में सकारात्मक वातावरण बनाने की सलाह दी है। चिकित्सकों में बढ़ते अवसाद के पीछे बड़ा कारण उन पर कामकाज का बढ़ता दबाव और तनाव है। आत्महत्या करने वालों चिकित्सकों का विश्लेषण करने से पता चला है कि वे अत्यंत मेधावी थे, सबसे तेज दिमाग थे, मगर उनका मानसिक स्वास्थ्य कमजोर था। वे अपने पेशेवर जीवन में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते थे।

चिकित्सा विज्ञान के अक्सर ऐसे लोगों को ले लेता है, जो संवेदनशील, प्रायः मानसिक स्वास्थ्य को सामाजिक संबल है। मगर हैरानी की पेशे में रहते हुए भी की पहचान नहीं हो जा सकता कि उनके आसपास रहने वाले लोगों को नजर न आए होंगे। अनुसार अवसाद जल्दी अपनी गिरफ्त में अतिरिक्त रूप से मेधावी और कमजोर वाले होते हैं। ऐसे लोगों की बहुत जरूरत होती बात है कि चिकित्सा के लोगों को इस समस्या पाती। ऐसा नहीं माना अवसाद के लक्षण

अब तो यह भी छिपा तथ्य नहीं है कि अक्सर पढ़ाई–लिखाई, परीक्षा और काम के दबाव में युवाओं का मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है। इसीलिए परीक्षा आदि के समय माता–पिता और अध्यापकों को विद्यार्थियों के प्रति विशेष रूप से ध्यान देने की सलाह दी जाती है। उन्हें स्नेह और प्रोत्साहन पूर्ण वातावरण देने का प्रयास किया जाता है। हैरानी की बात है कि चिकित्सा विज्ञान से जुड़े लोग भी इस मामले में अपने किसी पीड़ित सहकर्मी या सहपाठी के प्रति वैसे ही उदासीन नजर आ रहे हैं, जैसे समाज के सामान्य लोग देखे जाते हैं।

अवसाद हमारे देश में एक गंभीर समस्या का रूप ले चुका है। खासकर युवा इसकी गिरफ्त में जल्दी आ जाते हैं, इसलिए कि उन पर पढ़ाई–लिखाई और पेशे आदि में अव्वल रहने का दबाव अधिक बढ़ा है। उनकी महत्त्वाकांक्षाएं भी बड़ी हैं। माता–पिता और समाज उन्हें अव्वल देख कर प्रसन्न तो होते हैं, उनकी नजीर भी देते हैं, पर उनके मानसिक स्वास्थ्य का अंदाजा लगाने में प्रायरू विफल साबित होते हैं। इसी का नतीजा है कि मामूली विफलता पर भी कई युवा गहरे अवसाद में चले जाते हैं और धीरे–धीरे आत्महंता हो जाते हैं। पिछले दिनों देश के पचपन विश्वविद्यालयों के छात्रों में बढ़ते अवसाद और खुदकुशी की प्रवृत्ति पर चिंता जताई गई थी। कुछ तो युवाओं में यह समस्या इसलिए भी तेजी से घर कर रही है कि पढ़ाई–लिखाई कर चुकने के बाद भी उन्हें जीवन जीने का कोई बेहतर जरिया नजर नहीं आता। ऐसे में युवाओं को अपनी गिरफ्त में लेती इस समस्या के विभिन्न पहलुओं का बारीक अध्ययन और व्यावहारिक उपायों पर विचार की जरूरत है।

आखिरकार कृत्रिमता की सीमा क्या है

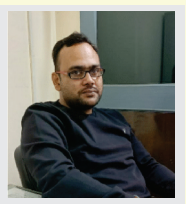

शिशिर शुक्ला
शाहजहांपुर

तकनीकी मानव जीवन हेतु एक अतुलनीय वरदान साबित हुई है। निस्संदेह मानव ने तकनीकी का सहारा लेकर अपने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र व अंग को उत्तरोत्तर प्रगति व समृद्धि की ओर अग्रसर किया है। प्रकृति पर विजय पाने के अनवरत प्रयासों के क्रमानुक्रम में मनुष्य ने शनैः शनैः प्राकृतिक व्यवस्थाओं अथवा प्रक्रियाओं का विकल्प तलाशने की कोशिश की है और दिलचस्प बात तो यह है कि बहुत सारे क्षेत्रों में प्रकृति के समानांतर कृत्रिमता का विकल्प खड़ा करने में मनुष्य ने सफलता भी पाई है। इन दिनों 'कृत्रिम मेधा' अर्थात आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की चर्चा जोरों पर है। मनुष्य के द्वारा स्वयं किए जाने वाले बहुतेरे कार्यों के लिए कृत्रिम मेधा का इस्तेमाल किया जा रहा है। आज 'एलेक्सा' और 'सिरी' जैसे आभासी डिजिटल सहायकों से बच्चा बच्चा परिचित हो चुका है। कृत्रिम मेधा का सीधा सा अर्थ है– एक मशीन के अंदर उच्च स्तरीय एल्गोरिथ्म एवं सॉफ्टवेयर का प्रयोग करके मानव मस्तिष्क के समतुल्य स्मृति, विचार एवं तर्क की क्षमता उत्पन्न करने का प्रयास करना। 'चौट जीपीटी' जैसे टूल की मदद से लेखन का वह कार्य जो घंटों में हुआ करता था, अब मिनटों में पूरा किया जा सकता है। केवल मस्तिष्क एवं स्मृति ही नहीं बल्कि अनेक अन्य क्षेत्रों में कृत्रिमता का समावेश करके एक नवीन विकल्प मनुष्य के द्वारा उत्पन्न किया जा चुका है। उदाहरण के तौर पर क्रिकेट, शतरंज, दौड़ और अन्य विविध प्रकार के खेलों को आज वास्तविक की बजाय कृत्रिम रूप में खेला जा रहा है। आज का किशोर एवं युवा खेल के मैदानों से रूबरू होने के बजाय मोबाइल फोन के माध्यम से कृत्रिम प्लेग्राउंड, कृत्रिम खिलाड़ी और अंततः कृत्रिम खेल का ही आनंद ले रहा है। फल और सब्जियां जोकि प्राकृतिक रूप से तैयार होकर खाए जाने योग्य हुआ करते थे, आज न जाने कैसे–कैसे रसायनों के संपर्क में आकर मनचाहे समय पर और मनचाहे ढंग से पकाकर बाजार में बिकने हेतु प्रस्तुत किए जा रहे हैं। घरों में फूल, पत्ती और पौधों के नाम पर एक निर्जीव एवं तथाकथित सुंदर शोपीस रखा जा रहा है, साथ ही साथ फर्श पर बिछाने के लिए कृत्रिम घास का प्रयोग करके उस फर्श को प्राकृतिक घास के मैदान जैसा दिखाने का प्रयास किया जा रहा है। और भी अगर बात की जाए तो कृत्रिम रेशे, कृत्रिम बारिश, कृत्रिम मानव अंग, और तो

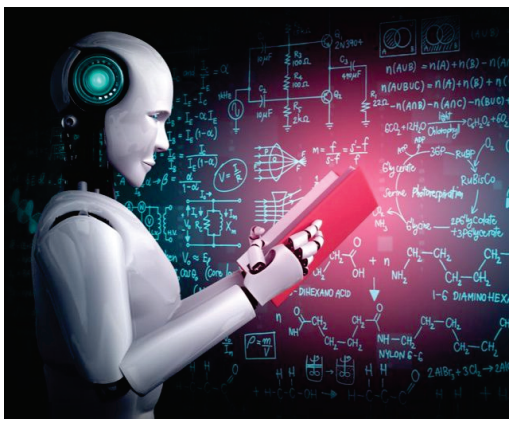

और कृत्रिम गर्भाधान तक की तकनीक विकसित कर ली गई है।

प्रकृति ने पृथ्वी को केवल एक उपग्रह प्रदान किया था किंतु मानव ने तकनीकी के बल पर हजारों उपग्रहों को पृथ्वी की परिक्रमा हेतु भेज दिया। कुल मिलाकर निष्कर्ष यह है कि मानव सभी प्राकृतिक व्यवस्थाओं का कृत्रिम विकल्प तैयार करने की दिशा में अनवरत रूप से प्रयासरत है। निस्संदेह इन कृत्रिम विकल्पों ने हमारे लिए सुविधाओं का पिटारा खोल दिया है किंतु इन स्वनिर्मित विकल्पों से अनेकानेक चुनौतियां भी उत्पन्न होंगी। जहां कृत्रिम रूप से रसायनों के प्रयोग द्वारा फल और सब्जियों को पकाना शरीर में तमाम लोगों को दावत दे रहा है, वहीं कृत्रिम उपग्रहों की अंतरिक्ष में बढ़ती भीड़ एक निश्चित समय के बाद स्पेस जंक में तब्दील होकर हमारे लिए एक बहुत बड़ी चुनौती खड़ी कर रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता निस्संदेह हमारी तमाम समस्याओं का निराकरण करने में सक्षम होगी किन्तु भविष्य में इस धरती पर मानव के साथ–साथ मशीनों का भी एक संसार होगा, ऐसी संभावना से साफ इनकार कदापि नहीं किया जा सकता। जब अधिकाधिक कार्य मशीनों के द्वारा ही कर लिया जाएगा तो फिर मनुष्यों की आवश्यकता ही क्या। दूसरे शब्दों में कहें तो मशीनीकरण का विकल्प पूर्ण सफल होने की दशा में बेरोजगारी जैसी समस्या को उच्चतम स्तर पर पहुंचा देगा। जाहिर सी बात है कि एक मशीन जो सिर्फ चार्जिंग अर्थात वैद्युत ऊर्जा की खपत पर चौबीस घंटे के लिए उपलब्ध होगी, आठ या दस घंटे अधिकतम कार्यक्षमता वाले मानव संसाधन से कहीं बेहतर होगी। दूसरा सबसे महत्वपूर्ण एवं विचारणीय मुद्दा यह है कि कृत्रिम मेधा एवं रोबोट जैसी मशीनों पर शनैःशनैः पूर्णतया निर्भर होने की दशा में मानव के मस्तिष्क की रचनात्मकता, सोचने, विचारने एवं निर्णय लेने की क्षमता, तर्कशीलता एवं क्रियात्मकता इत्यादि लक्षण धीरे–धीरे विलुप्त होने के कगार पर आ जाएंगे, और कहीं न कहीं वह मानसिक रूप से अपंग हो जाएगा। कंप्यूटरीकृत मशीनों में महत्वपूर्ण डेटा को स्टोर करना कितना सुरक्षित रहेगा, यह कहना नितांत मुश्किल है।

निष्कर्षतः यही कहा जा सकता है कि निस्संदेह कृत्रिमता और इससे उत्पन्न विकल्प, यथा–कंप्यूटरीकृत रोबोट और अन्य मशीनें इत्यादि हमारे लिए लाभप्रद हैं, किंतु हमें इतना अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि इनका उपयोग हम आवश्यकता हेतु करें, न कि अनावश्यक रूप से सुविधाओं के लिए। उदाहरणार्थ चौट जीपीटी जैसे टूल का प्रयोग केवल उस स्थिति में किया जाना चाहिए जबकि किसी महत्वपूर्ण विषय पर हमें जानकारी का अभाव हो। छोटे से छोटे कार्य के लिए इसका प्रयोग करके हम अपनी प्राकृतिक सोच एवं विचार की क्षमता पर जंग लगाने का कार्य ही करेंगे। यद्यपि तकनीकी से जनित कृत्रिमता बहुत सी प्राकृतिक प्रक्रियाओं जैसे– जन्म व मृत्यु पर विजय पाने से विचार से अभी कोसों दूर है किन्तु फिर भी यदि कृत्रिमता को प्राकृतिक व्यवस्थाओं पर हावी होने दिया गया तो निश्चित रूप से हमारी भावी पीढ़ियां सुविधाओं से तो लैस होंगी किंतु मानसिक रूप से अक्षम व अपंग होंगी।

भारत की सरहदों पर शांति जरूरी...

डा. रामनिवास गुंप्ता

अमेरिका की इंटेलिजेंस कम्युनिटी ने बाहरी खतरों का आकलन करने वाली अपनी सालाना रिपोर्ट में जिस तरह से चीन, भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने की आशंका जाहिर की है, वह सभी पक्षों के ध्यान देने लायक है। अमेरिकी कांग्रेस में पेश की गई इस रिपोर्ट के मुताबिक नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली सरकार के दौरान कोई वास्तविक खतरा होने पर या खतरे का आभास होने पर भी भारत की ओर से सैन्य कार्रवाई की संभावना पहले की सरकारों के मुकाबले ज्यादा है। अमेरिकी इंटेलिजेंस कम्युनिटी की अगर भारत की मौजूदा सरकार को लेकर यह राय बनी है तो इसके पीछे संभवतरू देश की सुरक्षा से जुड़े मसलों पर सरकार का ज्यादा चौकस रवैया ही है। इस लिहाज से उक्त राय को एक पॉजिटिव डिवेलपमेंट के ही रूप में लेना ठीक रहेगा। लेकिन साथ ही इससे उभरती इस सचाई को भी नकारा नहीं जा सकता कि भारत की सरहदों पर शांति कायम रहने की संभावना कम होने की जो बात इस रिपोर्ट में कही गई है, वह निराधार नहीं है। हालांकि भारत और पाकिस्तान की बात करें तो दोनों देशों ने 2021 में ही नियंत्रण रेखा पर सीजफायर जारी रखने का समझौता रीन्यू किया है।

लेकिन बावजूद इसके, दोनों देशों के बीच कश्मीर और आतंकवाद जैसे मसलों को लेकर तनाव लगातार बना हुआ है।

शिमला समझौते की भावनाओं के अनुरूप कश्मीर को द्विपक्षीय मसला मान आपसी बातचीत से इसे सुलझाने की राह हमेशा खुली हुई है, लेकिन इसके बावजूद पाकिस्तान जब भी मौका पाता है अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मसले को उछालने से बाज नहीं आता। इसके अलावा भारत में आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने वाले संगठनों और उनसे जुड़े लोगों पर लगाम कसने में पाकिस्तान सरकार की नाकामी भारत के साथ रिश्ते सुधारने की राह में एक बड़ी बाधा बनी हुई है। जहां तक चीन का सवाल है तो सीमा पर विवाद बने रहते हुए भी भारत के साथ उसके रिश्ते लंबे समय तक न केवल शांतिपूर्ण रहे बल्कि दोनों देशों में सहयोग और सामंजस्य भी बना रहा। 1962 में हुए युद्ध के बाद 1967 और फिर 1975 में हुई एक–एक हिंसक झड़प को छोड़ दें तो उसके बाद पूरे पांच दशकों तक सीमा पर हिंसा की नौबत नहीं आई। 1987 में तवांग और 2017 में डोकलाम में गतिरोध बना भी तो बातचीत से मसला सुलझा लिया गया। इस बीच दोनों देशों के बीच आपसी व्यापार ने भी नई ऊंचाई छुई। लेकिन 2020 में गलवान घाटी के बाद 2022 में तवांग में भी हिंसक झड़प हुई। बहरहाल, दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है और अगर वे अपने ही अनुभव से सबक लेकर उपयुक्त कदम उठाएं तो सीमा संबंधी मतभेदों के बावजूद शांति और सौहार्द की राह ढूंढना नामुमकिन नहीं। पाकिस्तान के आतंकवाद से तौबा करने की संभावना जरूर थोड़ी ज्यादा जटिलता लिए हुए है, लेकिन आतंकवाद सिर्फ भारत का नहीं, वैश्विक मसला है। पाकिस्तान इस बात को जितनी जल्दी समझ ले, उतना बेहतर।

शुभ सम्वत्सर नव सम्वत्सर

लिख दो लिख दो पालनहारे
क्षुब्ध समय की ऋजु काया पर
धरती सागर पर अम्बर पर
नर्तित माया, भूमण्डल पर
शुभ सम्वत्सर नव सम्वत्सर।
आदि न जाने अन्त न जाने
पीर समय का सन्त न जाने
कब गति हो कब कैसे ठहरे
यह जीवन पर्यंत न जाने
कहाँ मिलें कब विष ज्वालायें
और कहाँ जीवन अमृतसर ।
लिखना चाहे सौरभ लिख दे
मुरझाई कुसुमित डाली पर
लिख नवान्न का स्वाद बुभुक्षा
की रक्खी खाली थाली पर
राग विराग फूल कांटे लिख
बिसर न जाएं ढाई आखर ।
एक कामनामयी प्रार्थना
प्रकृति शांत हो सब अच्छा हो
बंदों की जिम्मेदारी है
येन केन जीवन रक्षा हो
फिर उल्लास धरें अधरों पर
पत्थर होते जाते निर्झर।
धीर वीर हम सत्यव्रती हैं
यह होगा जग को दिखलाना।
देखेंगे हम काल सर्प के
फन पर फिर बांसुरी बजाना
वे संयम के चक्रपाणि हैं
कृष्ण रखें गिरिवर अंगुलि पर।
शुभ सम्वत्सर नव सम्वत्सर।

कमल 'मानव', शाहजहांपुर

एसएस कॉलेज के यूनुस शाह ने ऑल इंडिया अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में जीता गोल्ड

लोक पहल

शाहजहांपुर। एसएस कालेज के युनूस शाह में आल इंडिया अंतर विश्वविद्यालय एथेलिटक्स प्रतियोगिता में स्वर्ण व रजत पदक प्राप्त कर विश्वविद्यालय और महाविद्यालय का नाम रोशन किया है। एसएस कालेज के क्रीड़ा सचिव प्रो. अजीत सिंह चारग ने बताया कि युनूस शाह ने एथेलिटक्स प्रतियोगिता में रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक एवं 800 मीटर में रजत पदक विश्वविद्यालय के नाम किया। इस प्रतियोगिता का आयोजन तमिलनाडु शारीरिक शिक्षा एवं खेल विश्वविद्यालय चेन्नई द्वारा 13 मार्च 16 के मध्य किया गया। जिसमें देश के सभी राज्यों के सभी विश्वविद्यालयों ने प्रतिभाग किया। यूनुस शाह ने इस प्रतियोगिता में स्वर्ण एवं रजत पदक के साथ खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर लिया है। इस बार खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स उत्तर प्रदेश द्वारा अप्रैल में आयोजित किए जाएँगे।

यूनुस ने स्वर्ण और रजत जीत इतिहास रचते हुए राज्य, विश्वविद्यालय, जनपद और महाविद्यालय मान बढ़ाया है क्योंकि जनपद और कॉलेज को इससे पूर्व इतनी बड़ी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक (1500मी. दौड़) एवं रजत पदक (800मी. दौड़) में नहीं प्राप्त हुआ था। महाविद्यालय के प्रबंधक स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती, सचिव डॉ. एके मिश्रा, प्राचार्य डॉ. आर.के. आजाद एवं समस्त कॉलेज परिवार ने बधाई दी।

नवरात्रि एवं रमजान माह को लेकर प्रशासन मुस्तैद

जिलाधिकारी ने बैठक कर दिये निर्देश

लोक पहल

शाहजहाँपुर। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी नवरात्रि एवं रमजान के पर्वो के दृष्टिगत बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिये कि समय से सभी समस्त तैयारियां पूर्ण करा ली जाए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए तथा नवरात्रि के दृष्टिगत मंदिरों के आसपास की सफाई चूना छिड़काव इत्यादि का प्रबंध सुनिश्चित किया जाए। साथ ही पानी की पर्याप्त व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन रास्तों से जुलूस अथवा शोभायात्रा निकाली जानी है, उन मार्गो पर स्थित ट्रांसफार्मर के आसपास बैरीकेटिंग कराया जाना सुनिश्चित करें। मंदिरों को जाने वाले रास्तों में किसी प्रकार का अतिक्रमण ना हो यह सुनिश्चित किया जाए। रमजान के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने शासन से प्राप्त निर्देशों के क्रम में 22 मार्च से 30 मार्च तक चौत्र नवरात्रि/रामनवमी के अवसर पर देवी मंदिरों एवं शक्तिपीठों में कार्यक्रम आयोजित कराने हेतु भी निर्देशित किया।

बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी प्रशासन संजय कुमार पाण्डेय, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व त्रिभुवन, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण संजीव बाजपेयी, अपर पुलिस अधीक्षक नगर सुधीर जायसवाल, नगर मजिस्ट्रेट अशीष कुमार सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

डोर-टू-डोर अभियान में महिलाओं को किया गया सम्मानित

लोक पहल

शाहजहांपुर। नगर निगम की ओर से प्यापक स्तर पर डोर–टू–डोर अभियान विभिन्न चरणों में 01 फरवरी से प्रतिदिन चलाया जा रहा है। इस अभियान के अन्तगर्त नगर निगम टीम ने नगर क्षेत्र के मोहल्लों में डोर–टू–डोर जाकर अपील की गई कि अपने क्षेत्र को साफ–सुथरा रखने के उद्देश्य से अपने–अपने घरों से निकलने वाला सूखा व गीला कचरा अलग–अलग कर देने व स्वच्छता में अपना सहयोग करें, जिससे नगर को साफ एवं स्वच्छ रह सकें। अभियान के माध्यम से सूखा एवं गीला कचरा अलग–अलग कर देने वाली नगर क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड की 03–03 महिलाओं को सम्मानित किया गया। नगर निगम प्रांगण में महिलाओं को सम्मानित करने के लिए कायर्क्रम का आयोजन किया गया। आयोजित सम्मान समारोह कायर्क्रम में अपर नगर आयुक्त एस.के. सिंह, सहायक नगर आयुक्त रश्मि भारती, नगर स्वास्थ्य अधिकारी एवं नगर क्षेत्र की सम्भ्रान्त महिलाओं द्वारा सक्रिय प्रतिभाग किया। इस अवसर पर अपर नगर आयुक्त एस.के. सिंह द्वारा अपने सम्बोधन में स्वच्छता के क्षेत्र में महिलाओं के सहयोग के लिये आभार व्यक्त किया। नगर को साफ एवं स्वच्छ रखने में महिलाओं के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। साथ ही सभी सम्मानित महिलाओं से भविष्य में स्वच्छ रखने की अपेक्षा की। साथ ही नगरवासियों से नगर निगम शाहजहॉपुर को पूरे भारत में स्वच्छता के क्षेत्र में सवर्प्रथम स्थान पर लाने की अपील की।

अच्छा कार्यकर्ता बनने के लिए अच्छा इंसान बनना जरूरी: खन्ना

भाजपा चौक मण्डल के 3 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित हुआ कार्यकर्ता संगम

लोक पहल

शाहजहाँपुर। भाजपा चौक मंडल के 3 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यकर्ता संगम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री सुरेश कुमार खन्ना व विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद मिथिलेश कुमार व एमएलसी डॉ. सुधीर गुप्ता मौजूद रहे। वंदे मातरम के साथ आरंभ हुए कार्यक्रम में चौक मंडल के प्रभारी डॉ. हेमेंद्र वर्मा ने प्रस्तावना रखी। मुख्य अतिथि मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा एक अच्छा कार्यकर्ता बनने के लिए एक अच्छा इंसान बनना पड़ेगा। प्रतिदिन अपने दिनचर्या में उपयोगी घंटों का मूल्यांकन करें समय का सदुपयोग करने वाला कार्यकर्ता निश्चित ही तरक्की करेगा। श्री खन्ना ने विधानसभा चुनाव में बूथ स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले बूथ अध्यक्षों को सम्मानित किया।

राज्यसभा सांसद मिथलेश कुमार ने कहा इस तरह के कार्यक्रम कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार करने का काम करता है। महानगर अध्यक्ष अरुण गुप्ता ने कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए बूथ सशक्तिकरण अभियान को गति देने के लिए कहा। मंडल अध्यक्ष वैभव खन्ना ने कार्यक्रम में आए सभी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में महानगर महामंत्री नवनीत पाठक, अरविंद राजपाल, सदस्य विधान परिषद सुधीर गुप्ता, निवर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष अजय यादव, महानगर उपाध्यक्ष डॉ. हेमेंद्र वर्मा, सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष सुरेंद्रनाथ बाल्मीकि, कैण्ट बोर्ड के उपाध्यक्ष अवधेश दीक्षित, ब्लॉक प्रमुख नमित दीक्षित, प्रियांशु रघुवंशी, श्रीदत्त शुक्ला उपस्थित रहे। चौक मंडल के महामंत्री पंकज सक्सेना, उपाध्यक्ष मनीष गुप्ता, संजीव कटियार, रामनिवास गौतम, अनूप गुप्ता, आलोक भारती, विनायक कपूर, दिव्यांश सिंह, अनुज वर्मा, अनूप मौर्य, हिमांशु आनंद, श्रीकृष्ण वर्मा, माया प्रकाश दीक्षित, पंकज सक्सेना, माया प्रकाश दीक्षित, राकेश गुप्ता, अरुण शुक्ला, अमन वर्मा, देवेश गुप्ता आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सुव्यवस्थित व सुरक्षित हो बैंको की ऋण वितरण व्यवस्था : डा. नरेन्द्र बत्रा

एसएस कालेज के वाणिज्य संकाय में आयोजित हुआ अतिथि व्याख्यान

लोक पहल

शाहजहांपुर। एसएस कॉलेज के वाणिज्य संकाय द्वारा, 'आधुनिक बैंकिंग की चुनौतियां' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एसएस कॉलेज के उप–प्राचार्य व वाणिज्य विभागाध्यक्ष प्रो. अनुराग अग्रवाल ने स्वामी शुकदेवानंद जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर व पुष्पांजलि अर्पित कर किया। बी कॉम फाइनेंस प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सात्विका बहल व मुस्कान मिश्रा ने मंचासीन अतिथियों के चंदन तिलक लगाकर व पुष्प गुच्छ भेंट करके स्वागत किया। डा कमलेश ने मुख्य अतिथि को अंगवस्त्र उड़ाकर सम्मनित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राजकीय महाविद्यालय बिलसंडा के वाणिज्य विभागाध्यक्ष डा नरेंद्र कुमार बत्रा ने कहा कि बैंकिंग में ऋण देने की प्रक्रिया सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित होना चाहिए। बैंक अक्सर बड़े– बड़े औद्योगिक घरानों को उनकी प्रतिष्ठा या पहुंच देख कर ऋण दे देते हैं जबकि उनकी ऋण वापसी की छमता और संपत्ति को ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका में बैंकों के दिवालिया होने का प्रमुख कारण यही है कि उन्होंने अपने संसाधनों से अधिक ऋण वितरित कर दीया।डा कमलेश गौतम के संयोजन में हुए कार्यक्रम का संचालन डॉ रूपक श्रीवास्तव ने किया सभी के प्रति आभार डा देवेंद्र सिंह ने दिया। इस अवसर पर डा गौरव सक्सेना, डा अजय वर्मा, डा संतोष प्रताप सिंह, डा सचिन खन्ना, अपर्णा त्रिपाठी, प्रकाश वर्मा, यश पाल कश्यप समेत बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

काशी विश्वनाथ दरबार में सौ बार हाजिरी लगाने वाले पहले मुख्यमंत्री बने योगी

लोक पहल

लखनऊ। मुख्यमंत्री के रूप में योगी आदित्यनाथ श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में 100वीं बार दर्शन पूर्ण कर ऐसा करने वाले पहले मुख्यमंत्री भी बन गये हैं। 2017 में प्रदेश की सत्ता संभालने वाले योगी आदित्यनाथ जब भी काशी आते हैं, अमूमन हर बार बाबा विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी जरूर लगाते हैं। मुख्यमंत्री योगी मंदिर में षोडषोपचार विधि से दर्शन पूजन कर लोक कल्याण की कामना करते हैं। वर्ष 2017 से अभी तक अपने पहले और दूसरे कार्यकाल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 100 बार बाबा के दरबार में हाजिरी लगाने वाले पहले मुख्यमंत्री बन गये हैं। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में दर्शन पूजन किया है, जिसने नया कीर्तिमान बनाया है। योगी आदित्यनाथ महीने में एक बार या कभी–कभी दो बार काशी की यात्रा जरूर करते हैं। अपने हर दौरे में मुख्यमंत्री विकास कार्यो की समीक्षा और स्थलीय निरीक्षण करते हैं। जिसका परिणाम वाराणसी के चतुर्दिक विकास के रूप में दिखता है। वहीं 6 साल के हिसाब से देखें तो सीएम योगी औसतन हर 21 दिन पर काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन करने पहुंचते हैं। बतौर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में 100 बार दर्शन पूजन कर इतिहास तो रचा ही है, इसके अलावा वे काशी के कोतवाल कहे जाने वाले बाबा काल भैरव के दरबार में 100 बार हाजिरी लगाने वाले मुख्यमंत्री भी बन गये हैं।

1.44 लाख परीक्षक करेंगे 3.19 करोड़ उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन

लोक पहल

प्रयागराज। यूपी बोर्ड परीक्षा की कापियों के मूल्यांकन को लेकर चल रही तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। प्रदेश के 258 मूल्यांकन केंद्रों पर कापियों की जांच शुरू हो गई। इन मूल्यांकन केंद्रों पर प्रदेश में 1.44 लाख परीक्षक 3.19 करोड़ कापियों को जांचेगे। मूल्यांकन कार्य में किसी भी प्रकार की समस्या न हो, इसके लिए बोर्ड की तरफ से विशेष व्यवस्था की गई है। मूल्यांकन केंद्रों पर किसी भी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश को पूरी तरह से वर्जित रखा गया है। इसके अलावा सभी केंद्रों में रिकार्डर लगे सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी की जाएगी।

बोर्ड परीक्षा की कापियों के मूल्यांकन कार्य 18 मार्च से शुरू होकर एक अप्रैल तक पूरा किया जाना है। बोर्ड सचिव दिव्यकांत शुक्ला ने बताया कि मूल्यांकन के दौरान हाईस्कूल में करीब 1.86 करोड़ उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जाना है। इसके लिए 89,698 परीक्षकों को नियुक्त किया गया है। इंटरमीडिएट की 1.33 करोड़ उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए 54,235 परीक्षक लगाए गए हैं।

इस प्रकार कुल 3.19 करोड़ उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए कुल 1,43,933 परीक्षक नियुक्त किए गए हैं। मूल्यांकन में किसी भी प्रकार की त्रुटि या गड़बड़ी होने से रोकने के लिए पहली बार मूल्यांकन केंद्रों पर लगाए गए परीक्षकों और उपप्रधानों को प्रशिक्षित किया गया है। इस दौरान पहली बार ऑडियो–वीडियो प्रजेंटेशन भी दिया गया। सचिव दिव्यकांत शुक्ल ने बताया कि शुचितापूर्ण मूल्यांकन के लिए प्रत्येक केंद्र पर एक–एक स्टेटिक मजिस्ट्रेट को लगाया गया है। प्रत्येक जिले में सभी मूल्यांकन केंद्रों के पर्यवेक्षण के लिए उस जिले के डायट प्राचार्य को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। मूल्यांकन केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था के भी कड़े इंतजाम किए गए हैं। केंद्रों के चारों ओर 100 मीटर की परिधि में धारा 144 लगाई गई है। साथ ही मूल्यांकन अवधि तक कम से कम चार सशस्त्र पुलिस गार्ड की भी तैनाती कराए जाने तथा स्थानीय अभिसूचना इकाई/पुलिस कर्मियों की सादी वर्दी में तैनाती कराए जाने की व्यवस्था की गई है।

वो कि है जिस्म मेरा और मैं साया उसका

सुन्नी इंटर कालेज में हुआ उर्दू एकेडमी का आल इंडिया मुशायरा

लोक पहल

शाहजहांपुर। तकनीकी शिक्षा विकास एवं जन कल्याण संस्थान लखनऊ के तत्वावधान में आल इंडिया मुशायरा का आयोजन उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी के सहयोग से सुन्नी इंटर कॉलेज टूरियागंज लखनऊ में किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि के उत्तर प्रदेश राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अशफाक सैफी ने शमा रोशन करके किया। सैफी ने कहा कि मुशायरों के जरिए उर्दू जबान ओ अदब को फरोग मिलता है। साथ ही देश और समाज में भाईचारा कायम होता है। मुशायरे में पसंद किए गए अशआर यहां प्रस्तुत हैं।

मुजफ्फरनगर के खुर्शीद हैदर ने सुनाया मैं नहीं मेरी मानो खुद परखो इस दुनिया को। लब पर बातें मीठी मीठी आस्तीन में खंजर है।

अमरोहा के निकहत अमरोही ने सुनाया मुरझाए कोई फूल तो गुलदान रो पड़े। एक शख्स मारा जाए तो इंसान रो पड़े। ऐसी फिजा बनाओ मेरे देशवासियों। हिंदू का घर चले तो मुसलमान रो पड़े।

शाहजहांपुरी के राशिद हुसैन राही ने सुनाया कोई मुझसा नहीं इस दुनिया में अपना उसका। वो कि है जिस्म मेरा और मैं साया उसका।

शाहजहांपुर की गुलिस्ताँ खान ने सुनाया गुलिस्तां हालाते जिन्दगी ने मुझे तो पत्थर बना दिया है। वो आग उस पर लगा रहा है जो मोम जैसी रही नहीं है।।

इसके अलावा लखनऊ के डा. तारिक कमल, डा उमैर मंजल, रिजवान फारुकी, रुबीना अयाज, अनवर फरीदी और फैज अहमद फैज ने अपने गीत गजलें पेश करके खूब दाद व तहसीन हासिल की। सभी शायरों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। संचालन इमरान राशिद व खुशबू रामपुरी ने किया। अन्त में मोहम्मद अनीस ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि अंजनी कुमार श्रीवास्तव, कर्मचारी संघ लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व महामंत्री डॉ. संजय शुक्ला थे। इसके अलावा निदेशक उत्तर प्रदेश वक्फ विकास निगम शफाअत हुसैन, जिरगामुद्दीन खान पूर्व सदस्य मदरसा बोर्ड, सैयद फैजी सदस्य शिया वक्फ बोर्ड, फसी अहमद सिद्दीकी– प्रबन्धक सुन्नी इण्टर कॉलेज, शकील अहमद प्रिंसिपल सुन्नी इंटर कॉलेज, समाजसेवी शमशेर गाजीपूरी, इकबाल हुसैन उर्फ फूल मियां, अजीम बेग, सैयद फिरोज आलम, हाफिज इमरान रजा, शादाब आलम महानगर अध्यक्ष भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, महेन्द्र सिंह राजपूत – मंडल अध्यक्ष, लखनऊ पश्चिम मंडल 2, सुधाकर तिवारी, शिवम मिश्रा, पूजा के अलावा संस्था के प्रबंधक मोहम्मद अनीस के साथ संस्था के पदाधिकारी एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

मौका परस्त विपक्षी दलों के मंसूबों को नाकाम करेगी जनता : भूपेन्द्र चौधरी

लोक पहल

लखनऊ। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि कुछ मौका परस्त और स्वार्थी दल 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराने के सपने देख रहे हैं। लेकिन, देश व प्रदेश की जनता 2014, 2017, 2019 और 2022 की तरह 2024 में भी इनके मंसूबों को नाकाम करेगी।

चौधरी ने बयान जारी कर कहा कि इन दलों ने पहले भी तीन चुनावों में स्वार्थ और सत्ता के लिए चुनावी गठबंधन किए थे। चुनाव में असफल होने पर अपनी राह अलग कर ली। जिन लोगों ने यूपी में अपनी जमीन खो दी है वो अब दूसरे राज्यों में भाजपा को हराने के लिए अन्य दलों की बैसाखी का सहारा तलाश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश ही नहीं पूरे देश की जनता ऐसे लोगों का असली रूप देख चुकी है।

चौधरी ने सपा पर आरोप लगाया कि वह एक बार फिर से जातिवाद और तुष्टीकरण की राजनीति के सहारे चुनाव में जीत के योजनाएं बना रही है। सपा इस सच को स्वीकार नहीं कर पा रही कि देश में नरेन्द्र मोदी का कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा सपा सरकार में देश में उत्तर प्रदेश की पहचान भ्रष्टाचार और अपराध की राजधानी के रूप में बन गई थी। जनता अब तक सपा सरकार के कुशासन को भूली नहीं है।

नई रणनीति के साथ सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी समाजवादी पार्टी

सपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में कई मुद्दों पर हुई चर्चा

लोक पहल

लखनऊ। सपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक चुनाव जीतने के संकल्प के साथ खत्म हो गई है। जिन बूथों पर अभी तक पार्टी को कम वोट मिलते रहे हैं, वहां पैठ बढ़ाई जाएगी। इसके लिए त्रिस्तरीय रणनीति होगी। हर माह कोई न कोई कार्यक्रम किया जाएगा। पार्टी भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेगी। पार्टी कार्यकर्ता ही नहीं आमजन के उत्पीड़न को मुद्दा बनाते हुए निरंतर जनता के बीच में रहेगी। पार्टी के सभी विधायक और पदाधिकारी वोटबैंक को बढ़ाने के लिए क्षेत्रवार अभियान चलाएंगे।

बैठक को संबोधित करते हुए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी बनाने के संकल्प को दोहराया। इस बीच प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल सहित विभिन्न राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों ने अपनी कार्य योजना प्रस्तुत की।

विधानसभा क्षेत्रवार कम वोट देने वाले बूथों को चिह्नित किया जाएगा। इन बूथों के लिए स्थानीय स्तर पर कमेटी बनेगी। यह कमेटी निरंतर मतदाताओं के बीच रहेगी। समय–समय पर पार्टी के वरिष्ठ नेता भी इन बूथों पर पहुंच कर लोगों की समस्या सुनेंगे। इसी तरह जातीय जनगणना, संवैधानिक संस्थानों की अनदेखी, एजेंसियों के दुरुपयोग के साथ महंगाई, बेरोजगारी, उत्पीड़न को मुद्दा बनाते हुए निरंतर जन जागरण किया जाएगा।

पार्टी ने संकल्प लिया है कि एकजुटता बढ़ाई जाएगी। पार्टी शीर्ष नेतृत्व जिसे लोकसभा में उतारेगा, उसके विरोध में उतरने वालों को चिह्नित कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सपा परंपरागत वोट बैंक के साथ दलितों को विशेष तौर पर जोड़ेगी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा का सूपड़ा साफ हो जाएगा। इसके लिए पार्टी ने पूरी तैयारी कर ली है। अखिलेश ने कहा, कांग्रेस और वाम मोर्चो दोनों ही बड़ी पार्टियां हैं। आने वाले समय में उनको खुद ही अपनी भूमिका तय करनी होगी।

होली पर बची गुझिया से बनाएं खीर

होली का त्योहार जब आता है तो अपने साथ ढेरों खुशियां लेकर आता है। इस त्योहार पर लोग एके-दूसरे के घर बधाइयां देने जाते हैं। यही वजह है कि सभी के घरों में तरह-तरह के पकवान बनते हैं। अगर होली के सबसे खास पकवान की बात करें तो वो गुझिया है। गुझिया एक ऐसी डिश है जो लगभर हर घर में बनती है। कई दिन पहले से ही घरों में गुझिया बनाई जाती हैं। होली के दिनों में सभी के घर गुझिया बनने की वजह से लोग इसे खाते-खाते बोर हो जाते हैं। जिस वजह से गुझिया बच जाती हैं। अगर आपके साथ भी ये समस्या सामने आ रही है तो इसका समाधान हमारे पास है। दरअसल, आज हम आपको बची हुई गुझिया की खीर बनाना सिखाएंगे। इससे आप बची हुई गुझिया का इस्तेमाल भी कर लेगें और आपके घर वाले इस टेस्टी डिश को खा कर आपकी तारीफ भी करेंगे।

सामग्री

2 कटोरी बची हुई गुझिया,1 छोटा चच केसर पाउडर, 1 छोटा चच चीनी बूरा, 1 लीटर दूध, छोटा चच चिरौंजी, 1 छोटा चच बारीक कटा हुआ पिस्ता, 1 बड़ा चच बारीक कटे हुए बादाम, 1 बड़ा चच बारीक कटे हुए काजू।

बनाने की विधि

गुझिया की खीर बनाने के लिए सबसे पहले बची हुई गुझिया का बारीक चूरमा बना लें। इसे चूरा करके एक कटोरे में रख दें। इसके बाद एक भगोने में दूध गर्म करने के लिए गैस पर चढ़ाएं। जब दूध में उबाल आने लगे तो इसमें चीनी, चिरौंजी और काजू डाल दें। इस बात का ध्यान रखें कि काजु छोटे-छोटे टुकड़ों में कटे हुए हों। अब इस दूध को खौलने दें। जब दूध में अच्छी खुशबू आने लगे और आपको लगे कि मेवे पक गए हैं तो इसमें केसर डालकर दूध को 2 मिनट तक और पकाएं फिर गैस बंद कर दें।

जब दूध थोड़ा ठंडा हो जाए तो इसमें गुझिया का चूरमा डालकर पकाएं। बस अब आपकी गुझिया की खीर तैयार है। चाहे तो इसे गर्म भी परोस सकती हैं।

बिना लहसुन और प्याज के पकाएं पालक-पनीर

सामग्री

1 कप पालक, मु पकवान के लिए, 1 कप मूली, 1 कप पनीर, 1 कप आलू, 1 छोटी चच अदरक, जरूरत के अनुसार हरी मिर्च, जरूरत के अनुसार सेंधा नमक, जरूरत के अनुसार चिली पाउडर, 1 कप कसा हुआ बॉटल लौकी,1 कप दही।

पालक-पनीर बनाने की विधि

एक पैन ले, पैन में तेल गरम करें, इसमें खड़े जीरे से तड़का लगाए। इसके बाद इसमें कसा हुआ अदरक, बारीक कटी हुई हरी मिर्च, आलू डालें और चच की सहायता से मिला ले। अब इसमें ऊपर से सेंधा नमक, एक चुटकी लाल मिर्च पाउडर, बारीक कटी हुई मूली डालें। सबसे आखिर में बारीक कटा हुआ, धुला हुआ पालक डालें और गैस की आंच लो करके 5 से 6 मिनट तक ढ न ढक कर इसे पकाएं। जब पालक अच्छी तरह से पक जाए इसमें पनीर के कटे हुए टुकड़े डाले और कुछ मिनट तक चच चलाते हुए पकाएं। **लौकी का रायता** सी के बाद लौकी का रायता बनाने के लिए एक पैन में थोड़ा सा पानी गर्म करें। जब पानी अच्छी तरह से गर्म हो जाए इसमें उबली हुई लौकी डालें और 2 से 3 मिनट तक इसे पकने दें। अब लौकी से पानी निकालकर इसे ठंडा होने के लिए एक तरफ अलग रख दें। अब एक कटोरी में दही डाले, दही में खड़ा जीरा डालें। अब उसमें उबली हुई लौकी डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। ऊपर से स्वादानुसार सेंधा नमक डालें। आप चाहें तो इसमें लाल मिर्च पाउडर भी डाल सकते हैं। बस आपका लौकी का रायता तैयार है।

देखो हँस मत देना

एक महिला पेट्रोल पंप पर पहली बार स्कूटी चला कर गई... महिला - भईया, पेट्रोल कितने रुपये लीटर है...? कर्मी - मैडम 80 रुपये लीटर... महिला - ठीक से लगा लो भईया, बगल वाला तो 70 रुपये लीटर ही दे रहा है। कर्मी - (गुस्से में) अरे मैडम जी, बगल में डीजल की मशीन है...!!

बाजार में पप्पू को एक बेहद खूबसूरत महिला दिखी... पप्पू खड़ा होकर उसे देखता ही रह गया... तभी वो उसके आई और बोली - भाई साहब, दिख तो मैं आंख से भी जाऊंगी, मुंह तो बंद कर लो...!!!

एक महिला ने एंबुलेंस बुलाने के लिए कॉल किया... ऑपरेटर - आपको या समस्या है? महिला - मेरे पैर की ऊंगली कॉफी टेबल से टकरा गई... ऑपरेटर (हंसते हुए) - तो इसके लिए आप एंबुलेंस बुलाना चाहती हैं? महिला - नहीं, एंबुलेंस तो मेरे पति के लिए है, उन्हें हंसना नहीं चाहिए था...!!!

चेन स्नैचिंग वाले महिला के गले से हार खींच कर ले गए...अगले दिन महिला बहुत ज्यादा दुखी हुई...हार के लिए नहीं, अखबार वालों ने छाप दिया- वृद्ध महिला के गले से हार छीन भागे चेन स्नैचर...!!!

कहानी

घमंड कभी न करना

स्वामी विवेकानंद अपने लोकप्रिय शिकागो धर्म सेलन के भाषण के बाद भारत वापस आ गये थे। अब उनकी चर्चा विश्व के हर देश में हो रही थी। स्वामी जी भारत वापस आकर एक दिन घूमते घूमते एक नदी के किनारे आ गये। वहां उन्होंने देखा कि एक नाव किनारा छोड़ चुकी है। तब वे नाव के वापस आने के इंतजार में वहीं किनारे पर बैठ गए। साधु ने स्वामी जी को वहां अकेला बैठा देखा स्वामी जी से पूछा, तुम यहां यों बैठे हुए हो? स्वामी जी ने जवाब दिया, मैं यहां नाव का इंतजार कर रहा हूं। साधु ने पूछा, तुारा नाम या है? स्वामी जी ने कहा, मैं विवेकानंद हूं। साधु ने मजाक उड़ाते हुए कहा, अच्छा! तो तुम वो विात विवेकानंद हो जिसको लगता है कि विदेश में जा कर भाषण दे देने से तुम बहुत बड़े महात्मा साधु बन सकते हो। फिर साधु ने बहुत ही घमंड के साथ, नदी के पानी के ऊपर चल कर अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया। साधु ने स्वामी जी से कहा, या पानी पर पैदल चल कर इस नदी को पार कर सकते हो? स्वामी जी ने साधु से कहा, इस बात में कोई शक नहीं कि आपके पास बहुत ही अद्भुत शक्ति है। आपको यह असाधारण शक्ति प्राप्त करने में कितना समय लगा। बहुत ही अभिमान के साथ साधु ने जवाब दिया, यह बहुत ही कठिन कार्य था। मैंने बीस सालों की कठिन तपस्या और साधना के बाद यह महान शक्ति प्राप्त की है। साधु का यह बताने का अंदाज बहुत ही अहंकार भरा था। यह देख कर स्वामी जी बहुत ही शांत स्वर में बोले, आपने अपनी जिन्दगी के बीस साल ऐसी विद्या को सीखने में बर्बाद कर दिए, जो काम एक नाव पांच मिनट में कर सकती है। आप ये बीस साल निर्धन बेसहारा गरीबों की सेवा में लगा सकते थे। या अपने ज्ञान और शक्ति का प्रयोग देश और देशवासियों की प्रगति में लगा सकते थे। परंतु आपने अपने बीस साल सिर्फ पांच मिनट बचाने के लिए व्यर्थ कर दिए, ये कोई बुद्धिमानी नहीं है। साधु सिर झुकाए खड़े रह गये और स्वामी जी नाव में बैठ कर नदी के दूसरी किनारे चले गए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा यह सप्ताह

मेष वैवाहिक लोगों को जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। खान-पान पर संयम रखकर आप अपने स्वास्थ्य को बेहतर रख सकते हैं। आपके मन में नये-नये विचार आयेंगे।

वृषभ आपके लिए आज का दिन बढ़िया रहेगा । जिस काम को भी आप करने की सोचेंगे, उसे पूरा करके ही दम लेंगे और उससे आप को फायदा होगा।

मिथुन ऑफिस में आज काम का बोझ अधिक होगा। साथ ही काम पूरा करने में आपको किसी सहकर्मी की मदद भी मिलेगी। आपके करियर में अचानक कुछ बदलाव आयेंगे।

कर्क आप अपने भविष्य के लक्ष्यों पर चर्चा कर सकते हैं। पारिवारिक सामाजिक संबंध मजबूत होंगें। क्रोध एवं आवेश की अधिकता रहेगी। घर परिवार में शुभ कृत्य का आयोजन होगा।

सिंह आज का दिन आपके लिए मिलाजुला असर देने वाला रहेगा। काम के सिलसिले में अधिक मेहनत करने का समय है। मानसिक रूप से मजबूत रहेंगे।

कत्या आज आपको अचानक धन लाभ के अवसर मिलेंगे। आज आपकी कोई खास इच्छा पूरी होने के योग बन रहे हैं। आज आपके सामने आय के नए स्रोत आयेंगे।

तुला आज प्रेम सम्बन्ध यथावत रहेंगे। फिजूलखर्ची पर लगाम लगाकर वित्तीय स्थिति को नियंत्रण में रखने में कामयाब रहेंगे। पारिवारिक जीवन बढ़िया रहेगा।

वृश्चिक आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा यात्राएं होंगी जो आपको खुशी देंगे। आपकी सेहत बढ़िया रहेगी और आपकी इनकम में भी बढ़ोतरी होगी।

धनु आज आप अपने कार्यों को जल्दी पूरा करने के लिए पूरी मेहनत करेंगे, जिसमें आप सफल भी होंगे। परिवार के सब लोग आपसे खुश रहेंगे।

मकर पारिवारिक जीवन श्रेष्ठ बीतेगा। विद्यार्थी अपने अध्ययन क्षेत्र में अच्छा कर पाएंगे। आपको अचानक धन प्राप्त हो सकता है। लोगों से अधिक घुलने-मिलने से बचें।

कुं आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहेगा और आत्मबल में बढ़ोतरी होगी। आज के दिन काम के सिलसिले में आपको मजबूत सफलता मिलने के योग हैं।

मीन आज अधिकारी वर्ग से आपको पॉजीटिव रिस्पॉन्स प्राप्त होगा। आपको अपने काम में जीवनसाथी का पूरी मदद मिलेगी। आज आपको थोड़ा आलस्य महसूस होगा।

प्रियंका चोपड़ा ने अलाया पर लुटाया प्यार

बॉलीवुड | मसाला

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी वेब सीरीज सिटाडेल को लेकर लाइमलाइट में हैं. प्रियंका हिंदी सिनेमा को लेकर हो या कोई और मुद्दा हो हर चीज पर अपनी बात बेबाकी से रखती हैं। कुछ ऐसा ही उन्होंने हाल में ही किया, जब उनसे बॉलीवुड के अगले सुपरस्टार को लेकर सवाल पूछा किया गया। इस एट्रेस को बताया सुपरस्टार हाल ही में देसी गर्ल अपनी फिल्म सिटाडेल से जुड़े एक इवेंट में पहुंची थी। जहां इंटरव्यू के दौरान उनसे पूछा गया कि बॉलीवुड की अगली सुपरस्टार कौन होगी? इसपर प्रियंका ने कहा कि, मैं सच में पूजा बेदी की बेटी अलाया फर्नीचरवाला को बहुत पसंद करती हूं। कुछ सालों में लोगों को ये खुद ही दिखने लगेगा कि मैं सही कह रही हूं या नहीं। एट्रेस का ये वीडियो खूब वायरल हो रहा है। यूजर्स वीडियो पर जमकर कमेंट कर रहे हैं।

अलाया ने कहा थैंयू

प्रियंका के इस वीडियों पर अब अलाया ने भी रिएट किया है। अलाया ने प्रियंका के इस वीडियो को अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया है। एट्रेस ने लिखा, 'मैं इस एहसास को शों में बयान नहीं कर सकती, कि मुझे कैसा महसूस हो रहा है। आपकी मोस्ट मोस्ट फेवरेट स्टार आपका नाम तब ले, जब कोई उनसे पूछे कि अगला सुपरस्टार कौन होगा। इससे अच्छी फिलिंग कुछ और नहीं हो सकती... थैंयू थैंयू प्रियंका चोपड़ा।'

अलाया एफ का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो अलाया एफ को पिछली बार कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म फ्रेडी में देखा गया था। फिल्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हुई थी। फिल्म को दर्शकों ने काफी प्यार दिया था। एट्रेस बहुत जल्द ऑलमोस्ट प्यार विथ डीजे मोहत नाम की फिल्म में नजर आने वाली हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

भारत अक्सर ऑस्कर में गलत फिल्में भेजता है : ए आर रहमान

ए आर रहमान संगीत की दुनिया के सबसे बड़े नामों में से एक है। एकेडमी अवॉर्ड विनर संगीतकार की दिल छू लेने वाले सॉन्ग और ज़िक के अनूठे ब्रांड के कारण जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। उन्होंने अब कहा है कि भारत असर ऑस्कर में गलत फिल्में भेजता है। इस वजह से वे नॉमिनेशन हासिल नहीं कर पाए। उन्होंने ये भी कहा कि इसमें सफल होने के लिए वेस्टर्न ऑडियंस के स्वाद को समझने की जरूरत है। एआर रहमान का मानना है कि ऑस्कर में असर गलत फिल्में भेजी जाती हैं। नतीजतन, वे नॉमिनेशन और जीत हासिल करने में असमर्थ हैं। उन्हें ये भी लगता है कि स्थिति को बेहतर ढंग से समझने के लिए खुद को पश्चिमी के स्थान पर रखने की जरूरत है। वो कहते हैं, कभी कभी मैं देखता हूं कि हमारी फिल्में ऑस्कर तक जाती हैं, लेकिन वे इसे हासिल नहीं कर पाती हैं। ऑस्कर के लिए गलत फिल्में भेजी जा रही हैं। हमें खुद को दूसरे के स्थान पर रखकर समझना चाहिए कि यहां या हो रहा है। मुझे ये देखने के लिए अपनी जगह पर रहना होगा कि वे या कर रहे हैं। AR Rahman का ये बयान तब सामने आया है, जब RRR फिल्म के गाने नाटू नाटू ने बेस्ट ऑरिजनल सॉन्ग के लिए ऑस्कर जीता है। इसे एमएम कीरवानी ने कंपोज किया है और इसे चंद्रबोस ने लिखा है। मेकर्स ने खुद इसे अलग से एंट्री में भेजा था। भारत की तरफ से छेलो शो मूवी को भेजा गया था, जोकि फाइनल नॉमिनेशन में बाहर हो गई थी।

कंगना रनौत के प्रति नरम हुई तापसी पन्नू

कंगना रनौत आए दिन सोशल मीडिया पर अपने बयानों को लेकर काफी सुर्खियां बटोरती रहती हैं। बीते कुछ साल पहले सोशल मीडिया पर कंगना और तापसी पन्नू की नेपोटिज्म को लेकर जंग छिड़ चुकी है। दरअसल, अपनी बहन रंगोली के तापसी को कंगना की सस्ती कॉपी कहे जाने के बाद दोनों एट्रेस के बीच झगड़ा और बढ़ गया था। अब हाल ही में, तापसी ने यह बताया है कि भविष्य में वह कंगना से बात करेंगी या नहीं।

कंगना की तरह तापसी भी अपने बेबाक बयानों के लिए जानी जाती हैं। पिछले कुछ साल से दोनों का झगड़ा फैंस के मनोरंजन का साधन बना हुआ है। हाल ही में, तापसी ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए एक इंटरव्यू में अपने और कंगना के झगड़े पर बात करते हुए बताया कि वह इस कमेंट से काफी शॉड थीं और उन्हें बिल्कुल भी नहीं पता था कि इसके बाद वह कभी कंगना से बात भी कर पाएंगी या नहीं।

तापसी ने कहा, 'मैं अगर ईमानदारी से आपको बताऊं तो मैं नहीं जानती हूं। हां, लेकिन अगर भविष्य में ऐसी कोई परिस्थिति आती है और वह मेरे सामने आकर खड़ी हो जाती हैं तो मैं खुद पहल करूंगी और उन्हें हैलो कहूंगी। मुझे उनसे थोड़ी कोई प्रॉम है, लेकिन अगर उन्हें है तो यह उनकी मर्जी है।' तापसी ने आगे कहा, 'कंगना बहुत ही अच्छी अभिनेत्री हैं और जब उन्होंने सस्ती कॉपी कहा तो मैंने इसे एक तारीफ के रूप में लिया। आपको बता दें कि रंगोली ने साल 2019 में ट्विटर पर ट्वीट कर के तापसी को निशाना साधते हुए कहा था, 'कुछ लोग कंगना को कॉपी कर के अपनी दुकान चलाते हैं, लेकिन प्लीज ध्यान दें वह ट्रेलर की तारीफ में उनके नाम को मेंशन भी नहीं करते हैं। मैंने सुना है कि तापसी जी ने कहा था कि कंगना को डबल फिल्टर की जरूरत है इसलिए तापसी जी आपको सस्ती कॉपी बनना बंद करना होगा।'

अद्भुत चमत्कार! इस मंदिर में बलि देने के कुछ देर बाद ही बकरा हो जाता है 'जिंदा'!

भारत में अनेकों चमत्कारिक और रहस्यमयी मंदिर मौजूद हैं। कुछ ऐसे मंदिर भी हैं जो आने वाली विपदा के बारे में पहले से ही इशारा कर देते हैं। ऐसे रहस्यमयी मंदिरों में ईश्वरीय शक्ति का अहसास होता है। आज हम आपको एक ऐसे ही अनोखे और चमत्कारिक मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां बकरे की बलि तो चढ़ती है लेकिन बकरा मरता नहीं। बलि के कुछ समय बाद पुनः जिंदा होकर खुद ही चलता हुआ मंदिर से बाहर आ जाता है। हम जिस चमत्कारी मंदिर के बारे में बात कर रहे हैं, वह बिहार का मुंडेश्वरी मंदिर है, जो कैमूर पर्वत की पहाड़ी पर करीब 600 ज्यादा फीट की ऊंचाई पर है। जानकारी के मुताबिक, यह मंदिर हाजारों साल पुराना है। इतिहासकारों का मानना है कि इसका निमार्ण 108 ईस्वी में शक शासनकाल में बनवाया गया था। भगवान शिव और देवी शक्ति को समर्पित यह प्राचीन मुंडेश्वरी देवी मंदिर बिहार के कैमूर जिले के कौरा क्षेत्र में स्थित है। इस मंदिर में सदियों से बलि चढ़ाने की परंपरा लगातार चली आ रही है। हालांकि यहां की बलि की परंपरा अन्य मंदिरों से बिल्कुल अलग है। इसमें खास बात यह है कि इस मंदिर में जिस बकरे की बलि चढ़ाई जाती है उसकी जान नहीं ली जाती। यहां बलि चढ़ाने की प्रक्रिया भक्तों के सामने ही की जाती है। बलि के लिए यहां बकरा माता की मूर्ति के सामने लाया जाता है। इसके बाद उसे वहां लिटाकर पुजारी उस पर कुछ अभिमंत्रित चावल फेंकता है। ये चावल माता की मूर्ति को स्पर्श करवाने के बाद बकरे पर फेंके जाते हैं। चावल फेंकते ही बकरा मृत सा हो जाता है। उसे देखकर ऐसा लगता है जैसे उसमें प्राण ही न बचे हों। उसमें बिल्कुल हलचल नहीं होती। इसके बाद फिर इसी प्रकार दोबारा चावल बकरे पर फेंके जाते हैं और माता के जयकारे लगाए जाते हैं। माता के जयकारे लगते ही बकरा तुरंत उठ जाता है। बलि चढ़ाने की क्रिया पूरी होने के बाद बकरे को छोड़ दिया जाता है। ऐसी मान्यता है कि चंड-मुंड नाम के राक्षसों का अंत करने के लिए माता यहां प्रकट हुई थी। जब माता ने चंड को मारा तो मुंड यहां की पहाड़ियों में आकर छिप गया। फिर माता ने उसका भी वध कर दिया। इसके साथ ही मां मुंडेश्वरी मंदिर में एक प्राचीन पंचमुखी शिवलिंग की मूर्ति भी है, जो दिन में तीन बार अपना रंग बदलती है। लोगों का कहना है कि यहां देखते ही देखते कब शिवलिंग अपना रंग बदल लेता है इसका पता भी नहीं चल पाता।

अजब-गजब | कजाकिस्तान में कलाची नामक गांव में है विचित्र बीमारी

चलते-चलते सड़क पर ही सो जाते हैं इस गांव के लोग, कई दिनों तक रहते हैं गहरी नींद में

जब किसी इंसान को नींद आती है तो वह सब काम छोड़कर सोने लगता है। जब तक उसकी नींद पूरी नहीं हो जाती है, तब तक इंसान सोता रहता है। कुछ लोग चार-पांच घंटे सोते हैं तो कुछ लोग आठ घंटे से ज्यादा सोते हैं। हालांकि एसपर्ट्स के अनुसार, स्वस्थ रहने के लिए 8 घंटे की नींद जरूरी होती है। आज हम आपको एक ऐसे विचित्र गांव के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां लोग चलते फिरते ही सो जाते हैं। ये लोग कई दिनों तक गहरी नींद में सोते रहते हैं।

यह विचित्र गांव कजाकिस्तान में है और इस गांव का नाम कलाची है। यहां के लोग इतना सोते हैं, जिसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता। बता दें कि उरी कजाकिस्तान में बसे इस गांव के लोग रहस्यमयी तरीके से सोने की बीमारी से पीड़ित हैं। जब ये लोग एक बार सो जाते हैं तो कई दिनों और महीनों तक नहीं उठते। कलाची गांव से कई दिनों तक सोने का पहला मामला साल 2010 में सामने आया था। वर्ष 2010 में कुछ बच्चे अचानक स्कूल में गिर गए थे और सोने लगे थे। इसके बाद इस बीमारी के शिकार लोगों की सां बढ़ने लगी। तभी से वैज्ञानिक इस गांव पर रिसर्च कर रहे हैं। हालांकि डॉटर और वैज्ञानिक भी इस बीमारी का पता नहीं लगा पाए हैं कि आखिर लोग इतने दिनों

तक कैसे सोते रहते हैं। हालांकि डॉटर्स का कहना है कि ऐसा यहां के दूषित पानी की वजह से हो रहा है। रहस्यमयी तरीके से सोने के कारण इस गांव को अब स्लीपी होलो भी कहा जाने लगा है। इल गांव की आबादी करीब 600 है और इस गांव के करीब 14 फीसदी लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं। इस गांव के लोगों की सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात ये है कि जिनको भी ये बीमारी है उनको पता ही नहीं चलता की वो सो गए हैं। मतलब ये कि यहां के लोग कहीं भी सोते हुए मिल जाएंगे। वो मार्केट, स्कूल या सड़क पर कहीं भी सोने लगते हैं। उसके बाद वो कई दिनों तक सोते रहते हैं।

बता दें कि कजाकिस्तान के इस गांव के पास कभी यूरेनियम की खदान हुआ करती थी, जो अब बंद हो चुकी है। इस खदान में जहरीला रेडिएशन होता रहता था। रिपोर्ट के मुताबिक इस खदान की वजह से ही लोगों को ऐसी अजीब बीमारी ने जकड़ लिया है। हालांकि अब इस गांव में रेडिएशन की कोई खास मात्रा नहीं है।

लोक पहल, राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक, मुमुक्षु आश्रम, शाहजहॉपुर, प्रधान संपादक अरूण पाराशरी

लोक पहल हिन्दी साप्ताहिक स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. अवनीश कुमार मिश्रा द्वारा शाहजहॉपुर प्रिन्टर्स जज साहब वाली गली, तारीन बहादुरगंज जिला शाहजहॉपुर 242001 से मुद्रित व 160 रोशनगंज लक्ष्मी राईस मिल, शाहजहॉपुर 242001 उ0प्र से प्रकाशित। संपादक–सुयश सिन्हा मो. 9935740205 E-mail : lokpahalspn@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र शाहजहॉपुर होगा।